www.dainik jayant news.com
कोटद्वार, शुक्रवार
15 मई 2026
वर्ष: 49
अंक: 24 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

ममता काला कोट पहनकर कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचीं

● चुनावी हिंसा से जुड़े मामले में पैरवी की, बाहर निकलीं तो बुआ चोर-भतीजा चोर के नारे लगे

कोलकता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस चीफ ममता बनर्जी एक बार फिर काला कोट पहनकर कोर्ट में दलीलें देने पहुंची। ममता गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुजॉय पाल और

जस्टिस पार्थसारथी सेन के सामने पेश हुईं। मामला हाल के राज्य विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद हुई चुनावी हिंसा से जुड़ी जनहित याचिका का था। सुनवाई के दौरान ममता ने कोर्ट को बताया कि राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के बाद बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। इसमें बुलडोजर एक्शन भी शामिल है। पुलिस एफआईआर दर्ज करने की परमिशन नहीं दे रही है। उन्होंने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले, आगजनी और हत्याओं के आरोप लगाते हुए कोर्ट से सुरक्षा और निष्पक्ष जांच की मांग की। इधर, सुनवाई के बाद जब ममता कोर्ट रूम से बाहर निकलीं, तो गलियारों में मौजूद वकीलों की भीड़ ने उन्हें घेर लिया। ये सभी ममता को देखकर बुआ चोर-भतीजे चोर के नारे लगाने लगे।

मुख्यमंत्री फडणवीस बाइक से विधान भवन पहुंचे

● दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता इलेक्ट्रिक कार से निकलीं, मोदी ने पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील की है

मुंबई (एजेंसी)। पीएम मोदी की पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील का असर 12 राज्यों में दिख रहा है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस गुरुवार को एमएलसी शपथ ग्रहण समारोह के लिए बाइक से विधान भवन पहुंचे। वहीं दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने अपने काफिले में 60प्रतिशत की कटौती की है। उनके काफिले में अब सिर्फ चार गाड़ियां हैं, जिनमें दो ईवी शामिल हैं।
त्रिपुरा में ग्रुप सी और डी के सिर्फ 50 प्रतिशत सरकारी कर्मचारी ही रोज ऑफिस आएंगे, बाकी कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। पंजाब में गवर्नर ऑफिस में हर बुधवार को अधिकारी चार-पहिया वाहन से नहीं आएंगे। हरियाणा में सीएम नायब सिंह सैनी हफ्ते में एक दिन बिना गाड़ी के चलेंगे।

भाजपा बोली- राहुल 22 साल में 54 बार विदेश गए

फंडिंग किसने की, यात्रा में 60 करोड़ खर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाया। गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कहा- राहुल गांधी ने पिछले 22 साल में 54 विदेश यात्राएं की हैं। सितंबर 2025 में सीक्रेट यात्राएं भी की हैं। उन्होंने दावा किया कि हर विदेश दौरे में राहुल के साथ 3-4 लोग भी जाते थे। इन यात्राओं पर कुल

खर्च करीब 60 करोड़ बैठता है। राहुल के हलफनामे के मुताबिक पिछले 10 साल में उनकी घोषित आय 11 करोड़ रही, तो इन यात्राओं का खर्च किसने उठाया, किसने फंडिंग की? राहुल फंडिंग का सोर्स बताएं। इधर, कांग्रेस ने भी प्रधानमंत्री मोदी के पिछले 12 साल में 76 देशों के 96 दौरों की लिस्ट जारी की है। कांग्रेस ने एक्स पोस्ट में लिखा- जनता की गाढ़ी कमाई, मौज-मस्ती पर उड़ाई।
वियतनाम यात्रा पर भी सवाल उठाया- इसी साल जनवरी में भाजपा ने दावा किया था कि राहुल वियतनाम दौरे पर गए हैं। आरोप लगाया था कि राहुल वियतनाम में भारत विरोधी लोगों के मेहमान बनकर देश के खिलाफ बोलेंगे।

कांस में गाला डिनर में आलिया भट्ट पहुंचीं

● आरती खेत्रपाल के हाथ में भगवद् गीता, पर्स पर लिखा हरे राम, कांस से सामने आया इन्फ्लुएंसर का खास लुक

पेरिस (एजेंसी)। आलिया भट्ट 12 मई 2026 से शुरू हुए 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में लोरियल पेरिस की ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर के तौर पर शामिल हुई हैं। कांस फिल्म फेस्टिवल 2026 में आलिया भट्ट लोरियल पेरिस गाला डिनर के दौरान नजर आईं, जहां उन्होंने फ्लोरल ब्रोकेड आउटफिट पहना था।

वहीं गुरुवार को सिंगर-इन्फ्लुएंसर आरती खेत्रपाल का सनातन धर्म थीम वाला लुक सामने आया, जिसमें वो कांस के रेड कार्पेट पर हाथ में भगवद गीता और 'हरे राम' लिखे पर्स के साथ नजर आईं। इससे पहले आलिया बुधवार शाम को कांस में आइस ब्लू गाउन में रेड कार्पेट पर नजर आईं। फिल्म 'ए वूमेन्स लाइफ' के प्रीमियर के दौरान उनका 'सिंड्रेला' अवतार देखने को मिला।रेड कार्पेट पर आने से कुछ घंटे पहले, आलिया ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लोरियल पेरिस को टैग करते हुए अपने लुक की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। दुनियाभर का सबसे प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल और कल्चरल इवेंट कांस 12 मई से शुरू हुआ है। फेस्टिवल 23 मई तक फ्रांस के फ्रेंच रिवेरा में जारी रहेगा। कांस से आलिया के अब तक 5 लुक सामने आ चुके हैं।

यूलिया वंतूर ने कांस रेड कार्पेट पर वॉक किया

आलिया भट्ट के अलावा उर्वशी रौतेला और यूलिया वंतूर का कांस लुक सामने आया है। वहीं, ऐश्वर्या राय, मौनी रॉय, अदिति राव हैदरी और एहस चन्ना कांस के रेड कार्पेट पर पहुंचेंगी। एक्ट्रेस तारा सुतारिया भी कांस रेड कार्पेट पर डेब्यू करने वाली हैं। एक्ट्रेस यूलिया वंतूर को अपनी शॉर्ट फिल्म इकोज ऑफ अस को प्रमोट करने के लिए कांस के रेड कार्पेट पर वॉक करती नजर आईं। उन्होंने डिजाइनर तमारा राल्फ का डिजाइन किया हुआ आइस-ब्लू टरकॉइज गाउन पहना था।

यूपी में आंधी-तूफान का कहर, 104 की मौत

80 किमी की आंधी में युवक उड़ा

लखनऊ/भोपाल/जयपुर/पटना (एजेंसी)। देश में दो तरह का मौसम देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज-अयोध्या समेत 30 जिलों में आंधी-तूफान के कारण 104 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 21 मौतें प्रयागराज और 17 मौतें भदोही में हुईं।

यहां 80 किमी की रफ्तार से आंधी चली, बरेली में एक युवक टीनशेड समेत हवा में उड़ गया। राज्य के बांदा शहर में तापमान 45.4 डिग्री रहा। आज 51 जिलों में तेज आंधी-बारिश का अलर्ट है।

जैसलमेर देश का सबसे गर्म शहर - राजस्थान में भी तेज गर्मी और हीटवेव का असर है। बुधवार को लगातार चौथे दिन राज्य का जैसलमेर देश का सबसे गर्म शहर रहा, यहां 46.1 डिग्री तापमान रहा। मौसम विभाग के मुताबिक आज आज बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर में तेज गर्मी का रेड अलर्ट है। 13 जिलों में हीटवेव की चेतावनी है।

राजस्थान में गर्मी का रेड अलर्ट, मप्र भी हीटवेव की चपेट में

मप्र खजुराहो में तापमान 45.4 डिग्री - वहीं, मध्य प्रदेश के 25 से ज्यादा जिलों में हीटवेव चल रही है, जो 18 मई तक जारी रह सकती है। खजुराहो में तापमान 45.4 डिग्री रहा। आज इंदौर, उज्जैन, धार और रतलाम में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट है। इन जिलों में वार्म नाइट का भी अलर्ट है।इधर, हरियाणा के अधिकतम तापमान में पिछले 24 घंटे में 1.1 डिग्री बढ़ोतरी हुई। राज्य के 5 शहरों में 40 डिग्री से ज्यादा रहा, इनमें नारनौल 42.5 डिग्री रहा। राज्य में 17 मई से हीटवेव का यलो अलर्ट है। बिहार के पूर्णिया-कटिहार समेत 7 जिलों में आज तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

नन्हे मियां, जिन्हें आंधी 50 फीट तक उड़ाकर ले गई!

उत्तर प्रदेश में अलग-अलग जिलों में तेज हवाओं, बिजली गिरने और तूफान की वजह से अभी तक 104 लोगों की मौत की खबर है। वहीं, करीब 53 लोग घायल बताए जा रहे हैं। तबाही के इस मंजर के बीच यूपी के बरेली से एक

वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि एक शख्स बारातघर के टीनशेड के पोल को पकड़कर खड़ा था कि तभी हवा का एक बहुत तेज झोंका आया और शख्स को करीब 50 फीट ऊपर उछालकर खेतों में पटक दिया। घटना में शख्स के हाथ-पैर टूट गए और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। बरेली का वीडियो सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में शेयर किया गया। वीडियो देखकर लोगों को यकीन ही नहीं हुआ कि हवा का झोंका इतना जबरदस्त हो सकता है कि वो किसी इंसान को इतनी ऊंचाई तक उड़ा ले जाए।

हरियाणा-महाराष्ट्र समेत 19 राज्यों में एसआईआर का ऐलान

● पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में अगले साल चुनाव, 37 करोड़ वोटर्स का वेरिफिकेशन होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने गुरुवार को स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) के तीसरे फेज की घोषणा की है। इस फेज के तहत हरियाणा, झारखंड, उत्तराखंड, दिल्ली समेत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में 36.73 करोड़ वोटरों का वेरिफिकेशन किया जाएगा। एसआईआर के तीसरे फेज के बाद हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को छोड़कर पूरे देश में एसआईआर प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। तीनों बचे हुए राज्यों में खराब मौसम और जनगणना के कारण एसआईआर के शेड्यूल की घोषणा बाद में की जाएगी।

करीब 4 लाख बीएलओ, 3.42 लाख बूथ लेवल एजेंट तैनात होंगे- चुनाव आयोग ने बताया कि तीसरे फेज की एसआईआर प्रक्रिया में 3.94 लाख बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) तैनात होंगे। बीएलओ की मदद के लिए राजनीतिक पार्टियों की तरफ नियुक्त 3.42 लाख बूथ लेवल एजेंट (बीएलओ) भी शामिल रहेंगे।

वीडी सतीशन केरलम के सीएम होंगे

● चुनाव नतीजे के 10 दिन बाद कांग्रेस का ऐलान, बोले- यह निजी उपलब्धि नहीं, दैवीय कृपा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस नेता वी डी सतीशन केरलम के नए सीएम होंगे। कांग्रेस ने राज्य के चुनाव नतीजे घोषित होने के 10 दिन बाद गुरुवार को इसका ऐलान किया। 61 साल के सतीशन पारावूर सीट से विधायक हैं। कांग्रेस नेता दीपा दासमुंशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पार्टी ने तिरुवनंतपुरम में 7 मई को मीटिंग की थी। पार्टी अध्यक्ष खड़गे, राहुल गांधी से चर्चा के बाद तय किया गया कि केरलम सीएम वीडी सतीशन होंगे। नाम के ऐलान होने का बाद सतीशन ने कहा- मैं इस पद को निजी उपलब्धि नहीं बल्कि दैवीय कृपा मानता हूं। मैं वेणुगोपाल, रमेश चेन्निथला समेत सभी नेताओं को अपने विश्वास में लूंगा।

सीएम के लिए 3 नेताओं का नाम था, सतीशन चुने गए- मुख्यमंत्री पद की दौड़ में वीडी सतीशन, केसी वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला का नाम चल रहा था। रिजल्ट के बाद केरलम कांग्रेस अलग-अलग गुटों में बंटी रही। एक धड़ा सतीशन के समर्थन में था, जिन्हें नई पीढ़ी और आक्रामक विपक्षी चेहरा माना जाता है।

दिल्ली में बिहार की बस में महिला से गैंगरेप

● टाइम पूछा तो चलती बस में खींचा, 2 घंटे दरिंदगी, ड्राइवर-कंडक्टर गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। दिल्ली में फिर निर्भया जैसा कांड हुआ है, जहां एक चलती स्लीपर बस में महिला से दो घंटे दरिंदगी हुई। फिर सड़क पर फेंक कर भाग गए। जिस प्राइवेट बस में वारदात हुई वो बिहार की है। जो दिल्ली से बिहार के रूट पर चलती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिला ने बताया कि आरोपी वारदात के बाद उसे सुनसान इलाके में फेंककर भाग गए। किसी तरह पीड़िता ने पुलिस को फोन करके पूरी घटना की जानकारी दी।

जिसके बाद रानीबाग थाना पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला

और बस की पहचान की। इसके बाद बस को जब्त करके ड्राइवर और कंडक्टर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है। चलती बस में महिला को खींचा 11 मई की रात को महिला रोज़ की तरह काम करके अपने घर लौट रही थी, तभी सरस्वती विहार के बस स्टॉप पर एक स्लीपर बस आकर रुकी। बताया जाता है कि महिला ने बस के दरवाजे पर खड़े एक व्यक्ति से समय पूछा, उसने समय बताने की बजाए महिला को जबरन अंदर खींच लिया। जिसके बाद आरोपी फिर बस को नांगलोई की ओर ले गए, जहां कथित तौर पर यौन उत्पीड़न हुआ।

महिला शादीशुदा है

पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता को रानी बाग इलाके से बस में जबरन बैठाया गया था। फिर आरोपी उसे नांगलोई के इलाके में ले गए और वहां जाकर उसके साथ रेप किया। घटना को लेकर दिल्ली पुलिस ने रानी बाग पुलिस स्टेशन में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, महिला के साथ गैंगरेप की ये वारदात 2 दिन पहले हुई है।पीड़िता महिला शादीशुदा है और उसके 3 बच्चे हैं। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल करवाने के बाद एफआईआर दर्ज की है।पुलिस ने महिला की शिकायत पर मामला दर्ज किया है और उसके बाद फौरन एक्शन लेते हुए बस के ड्राइवर और कंडक्टर को गिरफ्तार कर लिया है।

मप्र देवास में पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट

3 की मौत, 13 घायल

● शवों के टुकड़े 20-25 फीट दूर गिरे; फैक्ट्री सील, मालिक हिरासत में, सीएम ने 4-4 लाख पीड़ित परिवार को देने की घोषणा की

भोपाल/देवास (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के देवास जिले के टोंक कलां इलाके में गुरुवार सुबह करीब 11.30 बजे पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ। हादसे में धीरज, सनी और सुमित नाम के 3 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए। इनमें 13 गंभीर घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में रेफर किया गया। ब्लास्ट इतना तेज था कि शवों के टुकड़े 20 से 25 फीट दूर तक जा गिरे। विस्फोट में फैक्ट्री की दीवारें भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद प्रशासन ने फैक्ट्री को सील कर दिया। वहीं, पुलिस ने फैक्ट्री मालिक अनिल मालवीय को हिरासत में ले लिया है।

फैक्ट्री मालिक और बीजेपी सांसद की तस्वीर वायरल- हादसे के बाद सोशल मीडिया पर बीजेपी सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी और फैक्ट्री मालिक अनिल मालवीय की तस्वीर सोशल मीडिया पर

वायरल हो रही है। सोलंकी फैक्ट्री मालिक का मुंह मीठा करा रहे हैं। इस पर सांसद सोलंकी ने मीडिया से कहा- वह मेरे परिचित हैं, लेकिन मेरे कार्यकर्ता नहीं हैं।

2 केमिकल मिलाकर बारूद बनाया जा रहा था- मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि दो केमिकल मिलाकर बारूद बनाया जा रहा था। इसी दौरान केमिकल की मात्रा सही नहीं मिलने से ब्लास्ट हो गया। लोगों के अनुसार, जहां विस्फोट हुआ वहां 15 से 20 मजदूर काम कर रहे थे। लंच से 15 से 20 मिनट पहले फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ। लोगों ने बताया कि कर्मचारियों का खाना आ चुका था, लेकिन हादसे के बाद लोग खाना छोड़कर जान बचाने के लिए भागे।

जिनपिंग ने ट्रम्प से कहा- पार्टनर बनें, कॉम्पटीटर नहीं

ट्रेड वॉर में कोई नहीं जीतता, ट्रम्प बोले- आपसे दोस्ती सम्मान की बात

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में जिनपिंग ने ट्रम्प का स्वागत किया। इस दौरान ट्रम्प को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया।

दोनों नेताओं के बीच 2 घंटे बैठक चली। बैठक की शुरुआत में जिनपिंग ने कहा कि पूरी दुनिया इस बैठक पर नजर लगाए हुए है। उन्होंने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और अमेरिका-

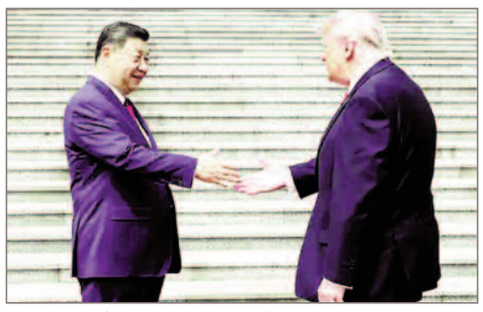

चीन रिश्ते वैश्विक स्थिरता के लिए बेहद अहम हैं। जिनपिंग ने कहा कि दोनों देशों को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि पार्टनर बनना चाहिए।

उन्होंने कहा, बार-बार साबित हुआ है कि ट्रेड वॉर में कोई विजेता नहीं होता। चीन-अमेरिका आर्थिक संबंधों का आधार आपसी लाभ और विन-विन सहयोग है।

वहीं ट्रम्प ने जिनपिंग की तारीफ करते हुए कहा, आपका दोस्त होना सम्मान की बात है।

मुख्यमंत्री ने 307 नव नियुक्त अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कुल 307 नव नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। जिसमें 243 चिकित्सा अधिकारियों, 42 फार्मासिस्ट, उद्यान विभाग के अन्तर्गत 22 प्रयोगशाला सहायकों एवं मशरूम पर्यवेक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह नियुक्ति पत्र केवल रोजगार का दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रदेश की सवा करोड़ जनता की सेवा का संकल्प पत्र है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड जैसे भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण राज्य में स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। दूरस्थ और पर्वतीय क्षेत्रों में संकट की घड़ी में जनता की पहली उम्मीद स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कार्मिक ही होते हैं। उन्होंने नव नियुक्त चिकित्सा अधिकारियों और स्वास्थ्यकर्मियों से कहा कि वे संवेदनशीलता, समर्पण और सेवा भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए मेडिकल कॉलेजों का निर्माण और संचालन तेजी से किया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 5 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, जबकि 2 निर्माणाधीन हैं। इसके साथ ही 9 नर्सिंग कॉलेज और 3 नर्सिंग स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। देहरादून, हल्द्वानी और श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है तथा हल्द्वानी में आधुनिक कैंसर संस्थान का निर्माण प्रगति पर है। दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए टेलीमेडिसिन एवं हेली एंबुलेंस सेवाएं भी संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कृषि एवं उद्यानिकी को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

साढ़े चार वर्षों में राज्य में 32 हजार से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरी

सीएम ने किया एक संकल्प : सभी के बेहतर स्वास्थ्य के लिए पत्रिका का विमोचन

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में सचिवालय एथलेटिक्स एंड फिटनेस क्लब की द्विवार्षिक पत्रिका एक संकल्प : सभी के बेहतर स्वास्थ्य के लिए का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने क्लब द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता, शारीरिक सक्रियता और फिट जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन, दोनों ही बेहतर कार्यक्षमता और सकारात्मक जीवन के आधार हैं। उन्होंने कहा कि नियमित व्यायाम, दौड़, खेल गतिविधियां और अनुशासित जीवनशैली व्यक्ति को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सचिवालय एथलेटिक्स एंड फिटनेस क्लब द्वारा कर्मचारियों एवं समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के लिए किए जा रहे प्रयास प्रेरणादायी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाती हैं, बल्कि सामूहिक सहभागिता, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करती हैं।

संक्षिप्त समाचार

गैस कंपनी कर्मचारी बनकर 4.36 लाख रुपये की साइबर ठगी

देहरादून। साइबर ठगों ने आईजीएल (इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड) का कर्मचारी बनकर एक व्यक्ति के खाते से 4.36 लाख रुपये उड़ा लिए। ठगों ने वेरिफिकेशन के नाम पर लिंक भेजकर वारदात को अंजाम दिया। शिकायत पर बुधवार को रायपुर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रायपुर थानाध्यक्ष संजीत कुमार ने बताया कि बालावाला के पंवार मोहल्ला निवासी 58 वर्षीय अमर सिंह डुंगरियाल ने की तरफ से केस दर्ज किया गया है। बताया कि 11 मई की शाम लगभग सवा छह बजे उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को आईजीएल का कर्मचारी बताया और वेरिफिकेशन व शुल्क कटौती का झांसा देकर एक लिंक भेजा। अमर सिंह ने लिंक खोलकर अपने कार्ड की डिटेल दर्ज कर दी। उस समय वह कार चलाकर घर लौट रहे थे। इसलिए मोबाइल पर लगातार आ रहे पैसे कटने के मैसेज नहीं देख पाए। घर पहुंचकर जब उन्होंने मैसेज चेक किए तो उनके पंजाब नेशनल बैंकखाते से चार अलग-अलग ट्रांजेक्शन में 4.36 रुपये कट चुके थे। ठगी का अहसास होने पर उन्होंने तुरंत अपना बैंक खाता और कार्ड ब्लॉक करवाया। एसओ संजीत कुमार ने बताया कि अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

महिला के मृतक पति की संपत्ति हड़पने को बना ली फर्जी वसीयत

काशीपुर। आईटीआई थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने जेठ और उसके साथियों पर मृतक पति की संपत्ति हड़पने के लिए फर्जी वसीयत तैयार करने, मारपीट करने और घर से बेदखल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने महिला की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सैनिक कॉलोनी, जसपुर खुर्द निवासी पायल रानी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका विवाह दो दिसंबर 2020 को अजय कुमार के साथ हुआ था। अप्रैल 2024 में बीमारी के चलते उनके पति की मृत्यु हो गई। उनके एक चार वर्षीय पुत्री भी है। पति की मौत के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोगों की नीयत संपत्ति पर आ गई। आरोप है कि उनके जेठ संजय कुमार और अतुल कुमार ने अपने साथियों दीपक मंडल, नासिर हुसैन और अंकित कुमार के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा। पीड़ति के अनुसार आरोपियों ने उनके दिवंगत पति के नाम पर एक कूटरचित वसीयत तैयार कर ली, ताकि चल-अचल संपत्ति पर कब्जा किया जा सके। विरोध करने पर आरोपियों ने महिला और उसकी मासूम बेटी के साथ गाली-गलौज की तथा मारपीट कर जान से मारने की धमकी देते हुए घर से बाहर निकाल दिया। महिला का आरोप है कि घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात, जमीन से संबंधित महत्वपूर्ण कागजात, बैंक पासबुक, एलआईसी बांड, पति का लाइसेंसी रिवॉल्वर और वाहन भी आरोपियों ने कब्जे में ले लिए। पीड़ति ने बताया कि वह खतौनी में अपना और पुत्री का नाम विरासत में दर्ज करा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद उसे प्रताड़ति किया गया। वर्तमान में वह अपनी पुत्री के साथ मुरादाबाद में रिश्तेदारों के यहां रह रही है। कोतवाल विक्रम राठौड़ ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

आज यूजेवीएनएल कार्यालय का घेराव करेंगे मजदूर

विकासनगर। सेंटर आफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) से संबद्ध संविदा श्रमिक संघ उत्तराखंड की शाखा निर्माणाधीन लखवाड ब्यासी जलविद्युत परियोजना द्वारा मांगों को लेकर हड़ताल तीसरे दिन भी जारी रही। मांगों पर कार्रवाई न होने से नाराज श्रमिक सीटू के बैनर तले डाकपत्थर में यूजेवीएनएल कार्यालय का घेराव करेंगे। इस दौरान प्रांतीय सचिव सीटू लेखराज ने कहा कि यूजेवीएनएल के अधिकारियों ने संविदाकार कंपनी एल एंड टी कंपनी को मजदूरों की लूट की खुली छूट दे रखी है। कहा कि आठ अप्रैल को यूजेवीएनएल के प्रबंध निदेशक एके सिंह से मुलाकात कर उन्हें श्रमिकों की समस्याओं से अवगत कराया गया। किंतु एक महा बाद भी उन समस्याओं का कोई समाधान नहीं किया गया और नहीं वार्ता की गई। इसलिए आज डाकपत्थर में यूजेवीएनएल के कार्यालय को घेरेंगे और मांग करेंगे की हड़ताली श्रमिकों से वार्ता कर मांगो पर कर्यवाही करने का काम करे। सीटू के जिला सचिव अभिषेक भंडारी ने कहा कि कंपनियों की ओर से श्रम कानूनों का पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा की उप मुख्य श्रम आयुक्त के समक्ष औद्योगिक विवाद अधिनियम के तहत वार्ता में भी कंपनियां नहीं आ रही है। जबरदस्ती 12 घंटे काम करवाया जाता है।

बंद बीमा पॉलिसी चालू कराने का झांसे दे ठगी करने में एक गिरफ्तार

देहरादून। एसटीएफ की साइबर क्राइम टीम ने बंद बीमा पॉलिसियों को दोबारा चालू करने और तगड़े मुनाफे का झांसा दे लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने में शामिल एक आरोपी नोएडा से गिरफ्तार किया है। एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि पटेलनगर निवासी पीड़ति ने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ति की तीन बीमा पॉलिसियां थीं। जिनकी किश्त वे पिछले दो साल से जमा नहीं कर पाए थे। अक्तूबर 2025 में उन्हें अज्ञात साइबर ठग ने फोन किया। खुद को बीमा कंपनी का अधिकारी बताकर उसने बंद पॉलिसी को चालू करने का लालच दिया। बाद में अपने कथित हेड बाबू से बात कराकर पीड़ति को विश्वास में लिया गया और अलग-अलग बैंक खातों में कुल 25.90 लाख रुपये जमा करा लिए गए।

पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया हमारी सरकार की प्रतिबद्धता : सुबोध उनियाल

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी एवं उत्तराखण्ड के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री सुबोध उनियाल द्वारा आज देहरादून में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कुल 307 चिकित्साधिकारियों, फार्मासिस्टों तथा उद्यान विभाग के अंतर्गत नव नियुक्त प्रयोगशाला सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने एवं युवाओं को पारदर्शी तरीके से रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। एक समय भर्ती प्रक्रियाएं नकल एवं भ्रष्टाचार के कारण प्रभावित होती थीं, जिससे योग्य युवाओं का विश्वास व्यवस्था से कमजोर पड़ने लगा था। प्रदेश सरकार ने देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू कर भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाया है, ताकि प्रत्येक परीक्षा एवं नियुक्ति केवल योग्यता के आधार पर सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि बीते चार वर्षों में प्रदेश सरकार द्वारा 32,000 से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं में अवसर प्रदान किए गए हैं। यह केवल रोजगार नहीं, बल्कि युवाओं के विश्वास, न्याय एवं सुशासन की स्थापना का प्रमाण है।

स्ट्रीट लाइट सरचार्ज के प्रस्ताव पर भड़का जनाक्रोश

देहरादून। देहरादून में नगर निगम की स्ट्रीट लाइटों के बिजली बिल की वसूली आम नागरिकों से किए जाने के प्रस्ताव का विरोध शुरू हो गया है। गुरुवार को संयुक्त नागरिक संगठन द्वारा रेसकोर्स में आयोजित जन संवाद में विभिन्न सामाजिक संगठनों, आवासीय कल्याण समितियों और नागरिक प्रतिनिधियों ने भाग लेकर इस प्रस्ताव को गलत बताया और इसे वापस लेने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि स्ट्रीट लाइटों के बिजली बिलों का वर्षों तक भुगतान न होना नगर निगम की वित्तीय और प्रशासनिक विफलता है। निगम को अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए बड़े बकाएदारों से वसूली करनी चाहिए और बिजली चोरी रोकने के लिए सख्त कदम उठाने चाहिए। प्रतिभागियों ने यह भी मुद्दा उठाया कि शहर के कई वार्डों में खराब स्विचों के कारण स्ट्रीट लाइटें दिनभर जलती रहती हैं, जिससे बिजली की अनावश्यक खपत बढ़ रही है। इसे तत्काल दुरुस्त करने की मांग की गई। वक्ताओं ने कहा कि आम जनता पहले ही गृहकर, यूजर चार्ज और पार्किंग शुल्क जैसे कई करों का भुगतान कर रही है।

आईटीबीपी कमांडो कविंद्र राम को नम आंखों से अंतिम विदाई

बागेश्वर। भनार निवासी 26 वर्षीय आईटीबीपी जवान कविंद्र राम पिता भीम राम का ड्यूटी के दौरान निधन हो गया। जवान की मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। कविंद्र 2025 में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस आईटीबीपी में भर्ती हुए थे।

वह 58वीं बटालियन में कमांडो के पद पर तैनात थे और वर्तमान में अरुणाचल प्रदेश में अपनी सेवाएं दे रहे थे। गुरुवार को उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव भनार पहुंचा, जहां अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पिथौरागढ़ मिरथी से पहुंचे आईटीबीपी के जवानों के एक दल सब इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में 15 जवानों की टीम ने सरयू-गोमती संगम तट पर सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी। इस मौके पर पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश ऐठानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग भी मौजूद रहे।

सिडकुल में 2004 की भर्ती से जुड़ी फाइल और दस्तावेज गायब

देहरादून। राज्य अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास निगम (सिडकुल) के आईटी पार्क स्थित मुख्यालय से वर्ष 2004 की भर्ती और संविदा नियुक्तियों से जुड़ी फाइल रहस्यमय ढंग से गायब हो गई है। आशंका जताई जा रही है कि भर्ती दस्तावेजों में हुई किसी बड़ी गड़बड़ी को छिपाने के मकसद से इस फाइल को जानबूझकर गायब किया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिडकुल प्रबंधन की ओर से राजपुर थाने में केस दर्ज करा दिया गया है। राजपुर थानाध्यक्ष पीडी भट्ट ने बताया कि सिडकुल मुख्यालय में तैनात एचआर प्रबंधक करन सिंह नेगी ने तहरीर दी। बताया कि उनकी टीम बीते आठ मई को विभाग में वर्ष 2004 में हुई कुछ अहम नियुक्तियों के दस्तावेज खंगाल रही थी। इसी दौरान सहायक प्रबंधक, प्रबंधक (लेखा) और सहायक प्रबंधक (एचआर) के पदों पर हुई संविदा और नियमित भर्ती की मुख्य फाइल निगम के रिकार्ड से गायब मिली। कार्यालय में काफी खोजबीन की गई। इसका कुछ पता नहीं लगा। एचआर मैनेजर ने अपनी तहरीर में अंदेशा जताया कि किसी ने इस अहम पत्रावली को जानबूझकर नष्ट किया गया है या खुर्द-बुर्द कर दिया गया है। एसओ भट्ट ने बताया कि शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं केस दर्ज कर जांच की जा रही है। 22 साल पुरानी भर्ती की है फाइलः 22 साल पुरानी इस भर्ती फाइल का अचानक गायब होना एक बेहद गंभीर मामला है। माना जा रहा है कि वर्ष 2004 की इन नियुक्तियों के दस्तावेजों में कोई बड़ी हेराफेरी रही होगी, जिस पर पर्दा डालने के लिए ही इस आपराधिक कृत्य को अंजाम दिया गया है।

शुक्रवार को रिलीज होगी उत्तराखंडी फिल्म तेरी माया

उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और भावनात्मक रिश्तों को दर्शाती नई उत्तराखंडी फिल्म ह्लतेरी मायाह्व शुक्रवार को एक हफ्ते के लिए सायं 4:40 बजे के शो में मॉल ऑफ देहरादून में दिखाई जाएगी। लगनी फिल्म्स के बैनर तले बनी यह फिल्म को लेकर प्रेस क्लब में गुरुवार को प्रेस वार्ता की गई। जिसमें फिल्म के कलाकार, निर्माता, निर्देशक की मौजूदगी में पोस्टर जारी किया गया। निर्माता अवध नारायण प्रसाद ने बताया कि फिल्म ह्लतेरी मायाह्व केवल मनोरंजन ही नहीं, प्यार, त्याग, भावनाओं और रिश्तों की गहराई को दर्शाने वाली एक संवेदनशील कहानी है। पहाड़ों की खूबसूरत वादियों और लोक जीवन की अनकही दास्तानों के माध्यम से यह फिल्म दर्शकों को अपनी जड़ों, संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास करती है। फिल्म का लेखन-निर्देशन संजय सिंह नेगी ने किया है। छायांकन मनोज सती का है। मुख्य सहायक लेखक हेमचंद्र सिंह रावत, मुख्य सहायक निर्देशक जगतार सिंह कलवाना हैं।

नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

बागेश्वर। नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर बागेश्वर जिला कांग्रेस कमेटी का आक्रोश गुरुवार को सड़कों पर देखने को मिला। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसबीआई तिराहे पर एकत्र होकर केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन भट्ट के नेतृत्व हुए प्रदर्शन में उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा का पेपर लीक होना देश के लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। छात्र-छात्राएं वर्षों तक कठिन मेहनत और आर्थिक परेशानियों के बीच प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन पेपर लीक जैसी घटनाएं उनकी मेहनत पर पानी फेर रही हैं क्रांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों में भर्ती परीक्षाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं, जिससे युवाओं का विश्वास व्यवस्था से उठता जा रहा है। उन्होंने कहा कि

बेरोजगारी से जूझ रहे युवाओं के सामने पहले ही सीमित अवसर हैं और ऐसे मामलों से उनमें निराशा और आक्रोश बढ़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि नीट पेपर लीक मामले की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए और इसमें शामिल दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जाए।

बियरशिबा स्कूल का 12वीं बोर्ड में शत-प्रतिशत परिणाम

अल्मोड़ा। बियरशिबा सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने सीबीएसई कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत परिणाम हासिल किया है। विद्यालय के सभी 91 विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की, जिससे स्कूल परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल रहा। बुधवार को घोषित परीक्षा परिणाम में ज्योत्स्ना त्रिपाठी ने 94.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में पहला स्थान हासिल किया। वहीं कला वर्ग में मनजीत आर्य ने 93 प्रतिशत और वाणिज्य वर्ग में सुमित बनौला ने 82.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने-अपने संकाय में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के कई विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इनमें अंजली नेगी और मनजीत आर्य ने 93 प्रतिशत, विशाल बोरा और शगुन पंत ने 92-92 प्रतिशत, पीयूष मेहरा ने 91 प्रतिशत तथा भव्या बोरा ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

चार महीने में साइबर ठगों के खातों में गए दस करोड़ बचाए

देहरादून। उत्तराखंड में साइबर ठगों के खिलाफ एसटीएफ की साइबर थाना टीम की कार्रवाई लगातार जारी है। टीम ने इस साल जनवरी से अप्रैल तक महज चार महीनों में साइबर ठगों के खातों में जमा हुए 10.01 करोड़ रुपये बचाए हैं। साइबर हेल्पलाइन 1930 के कंट्रोल रूम के माध्यम से यह धनराशि होल्ड कराकर सुरक्षित की गई है। एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि देहरादून की निशा सजवाण से एक लिंक भेजकर 3.15 लाख रुपये ठगी हुई। इनकी पूरी रकम होल्ड करा दी गई। संदीप तोमर निवासी देहरादून के साथ 47.90 लाख रुपये की निवेश के झांसे में ठगी हुई। जिसमें से पुलिस ने 3.70 लाख रुपये बचाए। गिरीश चंद्र जोशी निवासी देहरादून से गूगल-पे के जरिए 1.88 लाख रुपये की धोखाधड़ी हुई, जिसमें 56,572 रुपये बचाए गए। इस तरह साइबर ठगी में पुलिस ने दस करोड़ से अधिक बैंक खातों में होल्ड कराकर बचाए।

मसूरी को जाम से राहत दिलाने को लंढौर कैंट में वन वे और पार्किंग जरूरी

देहरादून। लंढौर कैंट के लाल टिब्बा, सिस्टर बाजार, चार दुकान क्षेत्र से लेकर मलिंगार तक मार्गों का चौड़ीकरण हो। लंढौर कैंट में वनवे लागू हो और अलग से पार्किंग बने। यह सुझाव मसूरी टेडर्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष रजत अग्रवाल के नेतृत्व में पर्यटन अधिकारी हीरा लाल के माध्यम से सचिव पर्यटन जिला पर्यटन अधिकारी को भेजे हैं। मसूरी टेडर्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष रजत अग्रवाल के नेतृत्व में पर्यटन अधिकारी हीरा लाल के माध्यम से सचिव पर्यटन, जिला पर्यटन अधिकारी को सुझाव भेजे गए हैं। बता दें कि मसूरी नगर पालिका और आस-पास के क्षेत्रों में जाम की समस्या बनी रहती है। अव्यवस्था को लेकर प्रवेश पंत की जनहित याचिका के अन्तर्गत यातायात और पार्किंग की समस्या के निपटारे के संबंध में सुझाव आमंत्रित किए गए थे। मसूरी टेडर्स एसोसिएशन ने सुझाव दिए ' ज्ञापन में दिए गये सुझावों में लंढौर कैंट के लाल टिब्बा, सिस्टर बाजार, चार दुकान क्षेत्र से लेकर मलिंगार तक मार्गों का चौड़ीकरण किया जाय ताकि पर्यटकों का आवागमन सुचारू रूप से हो सके।

एमडीएम पोर्टल की तकनीकी खामी पर भड़का शिक्षक संघ

विकासनगर। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ ने मध्याह्न भोजन योजना के पोर्टल पर तकनीकी समस्याओं को लेकर नाराजगी जताई है। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि विभाग तकनीकी खामी का हवाला देकर जिम्मेदारी से बच रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शिक्षकों के साथ दोहरा मापदंड अपनाया गया, तो आंदोलन किया जाएगा। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ ने मध्याह्न भोजन योजना (एमडीएम) के पोर्टल पर पिछले दो दिनों से आ रही तकनीकी समस्या को लेकर नाराजगी नाराजगी जताई है। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि पोर्टल पर लगातार मैसेज न जाने की समस्या के बावजूद विभाग तकनीकी खामी का हवाला देकर जिम्मेदारी से बच रहा है, जबकि मामूली त्रुटि पर शिक्षकों के वेतन रोकने जैसे आदेश जारी कर दिए जाते हैं। संघ के ब्लॉक अध्यक्ष मधु पटवाल ने कहा कि वर्तमान में अधिकांश विद्यालयों के प्रभारी प्रधानाध्यापक जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रमों के साथ-साथ विद्यालय संचालन एवं अन्य विभागीय दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा से कर रहे हैं। इसके बावजूद पीएम पोषण योजना के अंतर्गत एमडीएम सूचना प्रेषण में जरा सी त्रुटि होने पर बिना ठोस कारण जाने सीधे वेतन रोकने के आदेश जारी कर दिए जाते हैं।

मेडिकल स्टोरों पर छापा, एक लाइसेंस निलंबन की संस्तुति

अल्मोड़ा। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की टीम ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में मेडिकल स्टोरों और औषधि प्रतिष्ठानों का विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। निरीक्षण के दौरान नियमों के उल्लंघन मिलने पर विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। औषधि निरीक्षक पूजा जोशी ने बताया कि बसोली, ताकुला समेत विभिन्न क्षेत्रों में संचालित औषधि प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इस दौरान फर्मों के अभिलेख, औषधियों के भंडारण की व्यवस्था, क्रय-विक्रय विवरण, लाइसेंस संबंधी दस्तावेज और दवाइयों की गुणवत्ता मानकों की गहन जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कुछ प्रतिष्ठानों में औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर विभाग की ओर से आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई।

नमो मसूरी यात्रा संघ ने भव्य पालकी नगर शोभा यात्रा निकाली

देहरादून। मसूरी में दिगंबर जैन समाज मसूरी और नमो मसूरी यात्रा संघ दिल्ली एनसीआर ने श्री 10008 अनंतनाथ भगवान के जन्म दिवस पर कल्याणक महोत्सव के पावन पर्व पर भव्य पालकी नगर शोभा यात्रा निकाली। शोभायात्रा दिगंबर जैन मंदिर से शुरू होकर घंटाघर, शहीद भगत सिंह चौक होते हुए ग्रीन चौक तक पहुंची। यहां से शोभायात्रा वापस मंदिर वापस पहुंची।पालकी निकालने से पहले जैन मंदिर लंढौर में पूजा अर्चना की गई। इसके बाद बैंड बाजों के साथ नमो यात्रा संघ दिल्ली एनसीआर के तत्वाधान में पहली बार पालकी नगर शोभा यात्रा निकाली। शोभायात्रा में जैन समाज के लोग नृत्य कर चल रहे थे।

फैक्ट्री में गैस रिसाव की आशंका, अगली जांच तक बंद की फैक्ट्री

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सिगड्डी स्थित एक फैक्ट्री में गैस रिसाव की आशंका के बाद प्रशासन ने एहतियातन फैक्ट्री को अगली जांच तक बंद कर दिया है। घटना के बाद आसपास की अन्य फैक्ट्रियों में कार्यरत श्रमिकों को भी सतर्क रहने की चेतावनी जारी की गई है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे फैक्ट्री में गैस रिसाव की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और फैक्ट्री प्रबंधन व श्रमिकों से पूछताछ कर स्थिति का जायजा लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बुधवार शाम लगभग सात बजे फैक्ट्री में कार्य कर रहे श्रमिकों को अचानक सांस लेने में दिक्कत और आंखों में तेज जलन महसूस होने लगी। कुछ ही देर में आसपास की फैक्ट्रियों में काम कर रहे

गैस रिसाव की सूचना के बाद जांच को पहुंची टीम

कर्मचारियों ने भी इसी तरह की शिकायत की। स्थिति को गंभीरता से लेते हुए सभी श्रमिकों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। करीब डेढ़ घंटे बाद हालात सामान्य हो गए। घटना की सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार राजेंद्र सनवाल भी मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने मामले की जानकारी उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और आपदा नियंत्रण विभाग को दे दी है। फिलहाल जांच पूरी होने तक फैक्ट्री को बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

लाइन में खड़े थे 200 लोग, 180 को मिले सिलिंडर

श्रीनगर गढ़वाल : अल्केश्वर घाट के समीप पीपलचौरी स्थित भारत गैस वितरण केंद्र पर गैस के लिए उपभोक्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह करीब आठ बजे से ही लोग खाली सिलिंडर लेकर लाइन में खड़े होकर वाहन आने का इंतजार करते रहे। इस दौरान हल्की बहस भी हुई। करीब 11 बजे गाड़ी पहुंची। वाहन में करीब 180 सिलिंडर थे, जबकि मौके पर 200 से अधिक लोग। ऐसे में कुछ लोगों को गैस सिलिंडर नही मिल पाए। भारत गैस एजेंसी के प्रोपराइटर देवेंद्र खंडेवाल ने बताया कि श्रीनगर, श्रीकोट, स्वीत और मेन बाजार क्षेत्र समेत करीब 2100 उपभोक्ताओं को एजेंसी से गैस आपूर्ति की जाती है। हर माह 14 और 28 तारीख को गैस वितरण किया जाता है, लेकिन बीच में सप्लाई बाधित रहने के कारण इस बार बैकलॉग बढ़ गया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिन उपभोक्ताओं को गैस नही मिल पाई है उन्हें अगली सप्लाई पहुंचते ही दे दिए जाएंगे। (एजेंसी)

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण, नगर निगम ने किया ध्वस्त

जेसीबी की मदद से अतिक्रमण को ध्वस्त करती नगर निगम की टीम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : झंडीचौड़ में एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर निर्माण के लिए नगर निगम को हस्तांतरित सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम ने सख्त कार्रवाई की। निगम की टीम ने जेसीबी की मदद से कब्जे वाली भूमि पर बने पक्के निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

नगर आयुक्त पीएल शाह ने बताया कि राजस्व विभाग द्वारा एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर के निर्माण हेतु यह भूमि नगर निगम को उपलब्ध कराई गई थी। बावजूद इसके कुछ लोगों ने सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर पक्के निर्माण कर लिए थे। उन्होंने बताया कि अतिक्रमणकारियों को पहले ही निर्माण हटाने के लिए चेतावनी दी गई थी, लेकिन निर्धारित समय के भीतर कब्जा नहीं हटाया गया। इसके बाद नगर निगम ने कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध जताने का प्रयास किया, लेकिन नगर निगम की टीम ने प्रशासनिक सख्ती के साथ अभियान जारी रखा। निगम प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि दोबारा सरकारी भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भरपूर गांव में गुलदार को पकड़ने के लिए लगाया पिंजरा

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : विकासखंड एकेश्वर के भरपूर गांव में वन विभाग के अधिकारियों ने गुरूवार को गुलदार को पकड़ने के लिए घटनास्थल के आसपास पिंजरा लगा दिया है। अधिकारियों ने उन्होंने ग्रामीणों को सतर्क किया है कि अकेले खेतों में न जाएं। बता दें कि विगत 12 मई को भरपूर गांव में महिला पर गुलदार ने झपटा मार दिया था। गनीमत रही कि ग्रामीणों के शोर मचाने पर गुलदार भाग गया। जिससे क्षेत्र के लोगों में भारी दहशत है। ग्राम सभा भरपूर प्रधान श्रीमती पूनम देवी ने शीघ्र ही वन विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर गांव में गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की थी, जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुते वन विभाग दमदेवल द्वारा गुरूवार को गांव में पिंजरा लगाया गया है। साथ ही विभाग की टीम द्वारा गांव में गश्त की जा रही है। ग्राम प्रधान ने ग्रामीणों से सर्तक रहने की अपील करते हुए कहा कि जब तक गुलदार पकड़ा नहीं जाता तब तक अनावश्यक आवाजाही न करें, अपने घरों में रहें। कहा कि बच्चों को अकेले कहीं न भेजें। रात्रि के समय घरों में रोशनी रखें।

जनता का शोषण कर रही भाजपा सरकार : नेगी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने भाजपा सरकार के नौ वर्षों के कार्यकाल को पूरी तरह विफल बताते हुए प्रदेश की कानून व्यवस्था और बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि राज्य में अराजकता का माहौल है और महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। विकास के नाम पर सरकार ने जनता को गुमराह किया है। गुरुवार को कोटद्वार में पत्रकारों से वार्ता करते हुए सुरेंद्र सिंह नेगी ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि अंकिता भंडारी हत्याकांड और चंपावत की घटनाओं में सरकार का रवैया संवेदनहीन रहा। कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर पहुंच चुकी है और युवाओं को रोजगार के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनाओं को युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताते हुए उन्होंने कहा कि मेहनत से तैयारी करने वाले युवाओं में इससे निराशा और हताशा का माहौल पैदा हो रहा है। नेगी ने आरोप लगाया कि सरकार विकास के नाम पर केवल जनता को गुमराह करने का कार्य कर रही है। पेपर लीक की घटनाओं से युवाओं का मनोबल कमजोर हुआ है। स्कूलों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की नियुक्तियां नहीं हो रही हैं और अशासकीय विद्यालयों में शिक्षकों की भर्ती पर रोक लगी हुई है, जिससे शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने

कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र में बढ़ते नशे के प्रचलन पर भी चिंता जताते हुए कहा कि नशा युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर रहा है और इसे रोकना शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी है। नगर निगम द्वारा व्यवसायिक कर लगाए जाने का विरोध करते हुए उन्होंने कहा कि जब तक शहर में सीवर, पानी, ड्रेनेज और अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित नहीं की जातीं, तब तक किसी भी प्रकार का टैक्स लगाना जनता के साथ अन्याय होगा। इस मौके पर मीना बछुवाण, गीता नेगी, शंकेश्वर प्रसाद सेमवाल, शूरबीर खेतवाल, विजय नारायण सिंह और डॉ. चंद्रमोहन खर्कवाल सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मदरसे के निरीक्षण में गंभीर अनियमितताएँ उजागर, आयोग ने जताई चिंता

देहरादून। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा गुरुवार को एक मदरसे का निरीक्षण किया गया, जहाँ अनेक गंभीर अनियमितताएँ सामने आईं। यह कार्रवाई विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों और एक प्रतिष्ठित एनजीओ द्वारा दर्ज यौन शोषण संबंधी शिकायत के आधार पर की गई थी। निरीक्षण में पाया गया कि संस्थान में नक्शा पासिंग और अग्नि सुरक्षा मानकों का अभाव है। बच्चों को बेसमेंट में छोटे कमरों में निर्धारित क्षमता से कहीं अधिक संख्या में रखा गया था, जो उनकी सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। अधिकांश बच्चे बिहार और अन्य राज्यों से लाए गए पाए गए, जबकि स्थानीय बच्चों की संख्या बहुत कम थी। बच्चों ने बताया कि उनके माता–पिता जीवित हैं और उन्हें शिक्षा एवं बेहतर व्यवस्था के नाम पर यहाँ भेजा गया। आयोग की सदस्य डॉ. गीता खन्ना ने कहा कि बच्चों को किस प्रकार का वातावरण और शिक्षा दी जा रही है, यह गंभीर जांच का विषय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में बच्चों का उपयोग धार्मिक, सामाजिक या राजनीतिक उद्देश्यों के लिए नहीं किया जा सकता। डॉ. खन्ना ने राज्य में संचालित सभी प्रकार के हॉस्टलों के लिए स्पष्ट नियमावली बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्कूल हॉस्टलों पर लागू सुरक्षा मानक सभी संस्थानों पर समान रूप से लागू होने चाहिए और पंजीकरण अनिवार्य किया जाना चाहिए। एनसीआरबी के ताज़ा आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों से संबंधित अपराधों में वृद्धि का कारण एक ओर रिपोर्टिंग में बढ़ोतरी है, वहीं दूसरी ओर मोबाइल और सोशल मीडिया का दुष्प्रभाव भी बच्चों को असामाजिक गतिविधियों की ओर प्रेरित कर रहा है। उन्होंने समाज में बढ़ती राजनीतिक कटुता, रंजिश, घटती नैतिकता और टूटते पारिवारिक संबंधों को भी अपराधों के प्रमुख कारण बताया।हाल ही में चंपावत में राजनीतिक रंजिश के चलते नाबालिग बच्ची का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने की घटना को उन्होंने अत्यंत चिंताजनक बताया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि कोई भी व्यक्ति ऐसे वीडियो को साझा न करे और यदि प्राप्त हो तो तुरंत डिलीट कर दें, ताकि बच्ची की पहचान और सम्मान सुरक्षित रह सके।आयोग ने कहा कि इस पूरे प्रकरण में संबंधित विभागों और प्रशासन से विस्तृत रिपोर्ट मांगी जाएगी और आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी, ताकि बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता न हो।

युवाओं को नशे के प्रति जागरूक करने के लिए चलाया अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : युवाओं को नशे के प्रति जागरूक करने के लिए कांग्रेस की पूर्व प्रदेश महामंत्री रंजना रावत की ओर से अभियान चलाया गया। इस दौरान युवाओं ने नशे से दूर रहकर बेहतर भविष्य पर ध्यान देने का संकल्प लिया। इस दौरान लोगों को हाउस टैक्स के प्रति भी जागरूक किया गया।

गुरुवार को घमंडपुर क्षेत्र में अभियान चलाया गया। रंजना रावत ने युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया। कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहकर अपने बेहतर भविष्य पर ध्यान देना चाहिए। नशा एक सामाजिक बुराई है। हम सभी को इसके खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। उन्होंने नशाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए अभिभावकों को भी आगे आने का आग्रह किया। कहा कि इसके लिए उनकी तरफ से लगातार आवाज उठाई जा रही है, साथ ही शासन-प्रशासन को भी ज्ञापन प्रेषित किए जा रहे हैं। उन्होंने नगर निगम के माध्यम से हाउस

घंमडपुर में नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाती रंजना रावत

टैक्स की वसूली प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए है। कहा कि जब तक नगर में सीवर लाइन से लेकर पानी की सुविधा सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो जाती है, तब तक हाउस टैक्स वसूला जाना न्यायसंगत नहीं है। कहा कि नगर निगम के हाउस टैक्स वसूल किए जाने का घोर विरोध किया जाएगा। इस मौके पर ज्योति रावत, शीला भारती, लक्ष्मी देवी, कविता, अंकिता, शालिनी देवी, सरोजनी देवी, प्रियांशू, दिव्या, निकिता, अंजली, अंशिका मौजूद रहे।

चार माह से नहीं मिले सिलिंडर, उपभोक्ता परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : देवप्रयाग और कीर्तिनगर विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में तीन से चार महीने से गैस सिलिंडर की आपूर्ति न होने पर लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि कुछ क्षेत्रों में दो, तीन व चार माह से गैस सिलिंडर की आपूर्ति नहीं हुई है। लोगों का कहना है कि अधिकतर घरों में बुजुर्ग लोग ही हैं। सिलिंडर नहीं मिलने से उन्हें जंगलों से लकड़ी लानी पड़ रही है। गढ़वाल विवि के पूर्व छात्र संघ महासचिव व बडियारगढ़ क्षेत्र निवासी ऋतांशु कंडारी ने बताया कि कीर्तिनगर ब्लॉक के लोस्तु-बडियारगढ़, सित्काखाल, धारी ढुंडसिर, हिंसरियाखाल, अकरी बारजुला, नैथाणा, मुल्यागांव व देवप्रयाग ब्लॉक के हिंडोलाखाल, पौड़ीखाल, जामणीखाल, रणसोलीधार आदि क्षेत्रों में लोग गैस किल्लत से परेशान हैं। उन्होंने एसडीएम कीर्तिनगर पंकज भट्ट से मिलकर समस्या के समाधान की मांग की। उन्होंने बताया कि एसडीएम ने जिन क्षेत्रों में ज्यादा दिक्कत है वहां प्राथमिकता से सिलिंडर पहुंचाने का आश्वासन दिया था। इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। (एजेंसी)

मीडिया सरकार और जनता के बीच महत्वपूर्ण सेतु : ध्रुव रौतेला

अल्मोड़ा। उत्तराखंड सरकार की मीडिया सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष ध्रुव रौतेला ने गुरुवार को अल्मोड़ा पहुंचकर पत्रकारों से संवाद किया। सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं, नीतियों और उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि सरकार और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर सकारात्मक संवाद को बढ़ावा दिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों की समस्याओं और सुझावों को भी सुना तथा कहा कि पत्रकारों से जुड़े विभिन्न विषयों के समाधान के लिए सरकार स्तर पर आवश्यक पहल की जाएगी। ध्रुव रौतेला ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के मजबूत स्तंभ हैं और उनके हितों व सुविधाओं का ध्यान रखा जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शिता और जनहित को सर्वोच्च

प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है तथा आम जनता तक सही और तथ्यात्मक जानकारी पहुंचाने में मीडिया की भूमिका बेहद अहम है।

उत्तर रेलवे

सूचना संख्या 15/2026 दिनांक : 13.05.2026

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0)	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्योरिटी	कार्य के पूरा करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनाँक व समय	वेबसाइट एवम कार्यालय का पता
1.	12/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2026:– मुरादाबाद डिवीजन में लिफ्ट, एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म लाइटिंग (30/70%), पंप और सबस्टेशन जैसी विद्युत सामान्य संबंधी संपत्तियों का स्वचालन, निगरानी और नियंत्रण।	36780995.24 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय, मुरादाबाद	735600.00	6 (छः) माह	निविदाएँ दिनांक 04.06.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जाएँगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, मुरादाबाद।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1611/2026

महान नायकों के विक्टोरिया क्रास और अशोक चक्र से सुसज्जित हुआ रेजिमेंटल संग्रहालय

दो महान सपूतों के परिवारों ने सौंपी अपनी अमूल्य धरोहर

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के ऐतिहासिक भवानी दत्त परेड ग्राउण्ड में आयोजित 25वें द्विवार्षिक सम्मेलन के दौरान एक अत्यंत भावुक, गौरवपूर्ण एवं ऐतिहासिक 'अमर वीर शौर्य समर्पण समारोह' का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर भारतीय सेना के दो महान सपूतों के परिवारों ने उनके मूल वीरता पदकों को हमेशा के लिए रेजिमेंटल संग्रहालय को समर्पित कर राष्ट्रभक्ति और सैन्य परंपरा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

प्रथम विश्व युद्ध के महानायक स्व. नायक दरवान सिंह नेगी का ऐतिहासिक विक्टोरिया क्रास उनके पौत्र दिनेश नेगी एवं ब्रिगेडियर नितिन नेगी द्वारा रेजिमेंट को सौंपा गया। यह वहीं गौरवशाली पदक है जिसे एक सदी पूर्व रणभूमि में अदम्य साहस, नेतृत्व और सर्वोच्च बलिदान की भावना के लिए प्रदान किया गया था। इसी क्रम में आपरेशन ब्लू स्टार के दौरान मातृभूमि की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त नायक भवानी दत्त जोशी का अशोक चक्र भी उनकी पत्नी श्रीमती विमला देवी और उनके पुत्र लेफ्टिनेंट हरीश जोशी द्वारा श्रद्धापूर्वक रेजिमेंटल संग्रहालय को भेंट किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल डी. एस. राणा, परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, युद्ध सेवा मेडल, सेना मेडल, पी.एच.डी, कमांडर-इन-चीफ, स्ट्रैटेजिक फोर्स कमांड, कर्नल ऑफ द रेजिमेंट, गढ़वाल राइफल्स एवं गढ़वाल स्काउट्स ने इन गौरवशाली पदकों को औपचारिक रूप से स्वीकार किया।

रेजिमेंट की ओर से कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कर्नल आफ दा रेजिमेंट ने दोनों परिवारों को इन पदकों के विशेष 'स्मृति प्रतिरूप' भेंट किये, ताकि इन वीरों की स्मृतियां उनके घरों में भी सदैव जीवंत रहें।

इस अवसर पर कर्नल आफ दा रेजिमेंट ने अपने संबोधन में कहा कि ये पदक केवल वीरता के प्रतीक नहीं, बल्कि उन परिवारों के त्याग, सम्मान, राष्ट्र निष्ठा और अदम्य साहस की अमूल्य धरोहर है। रेजिमेंट इस निःस्वार्थ समर्पण के लिए सदैव इन परिवारों की ऋणी रहेगी। अब ये पदक आने वाली पीढ़ियों को देशसेवा, साहस और बलिदान की प्रेरणा देते रहेंगे।

बिट्टू मलिक अध्यक्ष व सुनीत सक्सेना बनें मंत्री

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : उत्तराखंड रोडवेज इंप्लाइज यूनियन की कोटद्वार शाखा के लिए बिट्टू मलिक अध्यक्ष व सुनीत सक्सेना मंत्री निर्वाचित हुए। समान वोट पड़ने के कारण मंत्री का चुनाव ड्रॉ के जरिए किया गया।देहरादून से आए चुनाव अधिकारी हरि सिंह व योगेंद्र कुमार की देखरेख में बृहस्पतिवार को यूनियन कार्यालय में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। शाखा अध्यक्ष पद पर बिट्टू मलिक (45) ने सतपाल सिंह (36) को पराजित किया। शाखा मंत्री पद पर सुनीत सक्सेना व राहत हुसैन को 41-41 वोट मिले। किसी एक के चयन के लिए सर्वसम्मति से ड्रॉ कराया गया, जिसमें सुनीत सक्सेना विजयी रहे। कार्यकारिणी में सतपाल सिंह व विक्रम सिंह उपाध्यक्ष, हरभजन सिंह व राजपाल शर्मा संयुक्त मंत्री, श्रीचंद संगठन मंत्री, विपुल जयंत कोषाध्यक्ष, प्रदीप प्रजापति लेखा परीक्षक, सुशील कुमार मीडिया प्रभारी, ध्यान सिंह कार्यालय सचिव चुने गए। इनके अलावा श्याम सिंह व उमेश कुमार को क्षेत्रीय प्रतिनिधि, राहत हुसैन, रफीक अहमद व नेम सिंह प्रांतीय प्रतिनिधि नियुक्त किए गए।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

निविदा संख्या वी–केट. स्टाल–मुरा.–मं.–2026सी जो कि, मुरादाबाद मंडल के शाहजहाँपुर, मुरादाबाद, देहरादून, हरिद्वार, हरदोई, ऋषिकेश, रायवाला तथा अमरोहा रेलवे स्टेशनों पर GMU (General Minor Unit), निविदा के आवंटन के सम्बन्ध में दिनांक 14.05.2026 को हिंदी के समाचार पत्रों में प्रकाशित की गयी है, जिसमें त्रुटिवश निविदा खोलने की तिथि 12.05.2026 प्रकाशित हो गयी है, निविदा खोलने की तिथि दिनांक 12.05.2026 के स्थान पर 05.06.2026 पढ़ी जाये।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1615/26

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/समन्वय द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैंकर चेक डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	51-DRM-MB-26-27 Dale - 11.05.2026
कार्य का नाम	Supplying & Loading, leading, unloading & stacking of 50000 cum machine crushed stone ballast of 65 mm gauge size as per Railway Specification including loading of ballast into Rly. Wagons / hoppers at Dibai depot on Chandausi - Aligarh section of Moradabad division.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	09.06.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00
अनुमानित लागत	8,07,63,000.00
धरोहर राशि	16,1 5,300.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	5 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	26.05.2026

टेन्डर न. Sr. DEN-C/Publication/26-27 दिनांक - 13.05.2026 1608/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी0एस0टी0 व ई0पी0एफ0 में पंजीकृत) एवं पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 03.06.2026 के 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से दिनांक 02.06.2026 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी अतिरिक्त)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0)
07/2026–27	रू0 1000/–	वि०वि० उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के अन्तर्गत नये संयोजन निर्गत किये जाने हेतु लाइन, उपसंस्थान निर्माण/ क्षमता वृद्धि व अन्य कार्य।	45000.00
08/2026–27	रू0 500/–	वि०वि० उपखण्ड तृतीय, जयहरीखाल के अन्तर्गत नये संयोजन निर्गत किये जाने हेतु लाइन, उपसंस्थान निर्माण/ क्षमता वृद्धि व अन्य कार्य।	21000.00
09/2026–27	रू0 250/–	वि०वि० उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त परिवर्तक बदलना का कार्य।	10000.00
10/2026–27	रू0 500/–	वि०वि० उपखण्ड द्वितीय, कोटद्वार के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त परिवर्तक बदलना का कार्य।	30000.00
11/2026–27	रू0 250/–	वि०वि० उपखण्ड तृतीय, जयहरीखाल के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त परिवर्तक बदलना का कार्य।	8000.00
12/2026–27	रू0 250/–	वि०वि० उपखण्ड द्वितीय, कोटद्वार के बिजनी बडी अनुभाग के फूलचट्टी फीडर में 11 केवी लाइन की मरम्मत का कार्य।	20000.00
13/2026–27	रू0 100/–	वि०वि० उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के अन्तर्गत ग्राम शिब्बूनगर में 100 केवीए परिवर्तक का निर्माण कार्य।	2500.00

पत्रांक : 1201/विविखको/टी–6
दिनांक : 14.05.2026

अधिशासी अभियन्ता,
विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

संपादकीय

महंगाई का चाबुक तैयार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद किस प्रकार के हालात देश भर में नजर आ रहे हैं उसे लगता है कि आने वाले दिनों में आम आदमी के लिए जीवन बेहद दूभर होने वाला है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक तेल बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच भारत सरकार ने बीते 48 घंटे में तीन अहम फैसले लिए हैं जिसमें सरकार ने सोना–चांदी पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाया है तो वहीं दूध की कीमतों में बढ़ोतरी और चीनी के निर्यात पर रोक लगा दी गई है। यानी स्पष्ट संकेत है कि मूलभूत आवश्यकताओं को लेकर देश की जनता को आने वाले दिनों में महंगाई की मार झेलनी पड़ेगी। जिस प्रकार से विभिन्न राज्यों में वाहन चालकों के लिए पेट्रोल की राशनिंग करने की तैयारी की जा रही है उसके बाद अब पेट्रोल डीजल और घरेलू गैस की कीमतों में भी बढ़ोतरी की मार पढ़ने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत की अपील के बाद किंतु को लेकर कई बड़े फैसला झेलने के लिए जनता को तैयार रहना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से ईंधन की खपत कम करने की अपील की थी। उन्होंने वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन मीटिंग, इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल और जरूरत पड़ने पर स्कूलों में ऑनलाइन क्लास जैसे विकल्प अपनाने की बात कही थी। इस मुद्दे को लेकर देश में राजनीति भी गर्मी हुई है और विपक्षी से आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में केंद्र सरकार की विफलता बता रहा है। सरकार पहले ही सोना और चांदी पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर चुकी है, जिसका उद्देश्य गैर–जरूरी आयात को कम करना और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव घटाना है। वहीं कच्चे तेल के आयात एवं रुपये पर बढ़ते दबाव कब्र पेट्रोलियम उत्पादों पर देखने को मिल सकता है। इधर महंगाई की आशंकाओं के बीच दूध के दाम भी बढ़ा दिए गए हैं जो लोगों पर एक दोहरी मार है। इसी तौर पर प्रधानमंत्री के बयान एवं वैश्विक स्तर पर ईंधन महंगा होने का असर अब रोजमर्रा की चीजों पर दिखना शुरू हो गया है, जिसमें लगे उत्पादक कंपनियों ने भी मौके का फायदा उठाना शुरू कर दिया है। हालांकि एक कदम सरकार ने चीनी का निर्यात रोक कर देश में इसकी आपूर्ति सुचारू रूप से रखने की कोशिश भी कीहै। यह निश्चित है कि अगर वैश्विक संकट लंबा खिंचता है, तो शिपिंग और ट्रांसपोर्ट लागत बढ़ सकती है, जिससे घरेलू बाजार में कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। अब यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इन हालातो में कैसे अपने नागरिकों को जीवन यापन करने का अवसर देती है? कोई भी कंपनी अपने ऊपर घाटा उठाना नहीं चाहती इस दौर में यदि पेट्रोल डीजल की कीमत बढ़ेगी तो स्वता ही रोजमर्रा की वस्तुओं में भी बढ़ोतरी होगी। जनता के पास कोई विकल्प नहीं है और यह तय है कि उन्हें आने वाले दिनों में भारी महंगाई का सामना करना पड़ेगा।

चिंतन-मनन

दूसरे की गलती

एक बार गुरु श्यामानंद ने अपने चार शिष्यों को एक पाठ पढ़ाया। पढ़ाने के बाद वह अपने शिष्यों से बोले, अब तुम चारों इस पाठ का बार-बार अध्ययन कर इसे याद करो। इस बीच यह ध्यान रखना कि तुम में से कोई बोले नहीं। थोड़ी देर बाद मैं तुमसे इस पाठ के बारे में बात करूंगा। यह कहकर श्यामानंद वहां से चले गए। उनके जाने के बाद चारों शिष्य अलग-अलग बैठकर पाठ का अध्ययन करने लगे।

अचानक बादल घिर आए और वर्षा की संभावना बन गई। यह देखकर एक शिष्य बोला, लगता है, तेज बारिश होगी। यह सुनकर दूसरे ने कहा, तु?हें बोलना नहीं चाहिए था। तभी तीसरा बोला, तुम लोगों ने बोलकर गुरुजी की आज्ञा भंग कर दी है। चौथा शिष्य चुपचाप पाठ पढ़ता रहा। इसी बीच श्यामानंद वहां आ गए। उन्हें देखकर पहला शिष्य बोला, गुरुजी, यह मौन नहीं रहा और बोलने लगा। दूसरा शिष्य बोल पड़ा, तो तुम कौन सा मौन थे। तुम भी तो बोल पड़े थे। तीसरे ने कहा, इन दोनों ने बोलकर आपकी आज्ञा भंग कर दी है। यह सुनकर दोनों तपाक से बोले, तुम भी तो बोल ही पड़े थे। मगर चौथा शिष्य अभी भी चुप था।

उसे देखकर गुरुजी बोले, तुम में से केवल इसने ही मेरी आज्ञा मानी। यह निश्चय ही आगे चलकर बड़ा और महत्वपूर्ण कार्य करेगा क्योंकि इसके भीतर पर्याप्त धैर्य और एकाग्रता है। यह किसी के बहकावे में नहीं आता न ही किसी क्षणिक हलचल से विचलित होता है। तुम तीनों के भविष्य को लेकर मुझे शंका है क्योंकि तुम तीनों एक दूसरे का दोष निकालने के कारण स्वयं भी गलती कर बैठे। अधिकतर लोग ऐसा ही करते हैं। वे दूसरे को उसकी गलती बताने के चक्कर में स्वयं भी गलती कर बैठते हैं और फिर स्वयं कब गलत मार्ग पर चलने लगते हैं, इसका उन्हें आभास तक नहीं होता। यह सुनकर तीनों शिष्यों का सिर शर्म से झुक गया।

भगत सिंह के मस्तिष्क शहीद सुखदेव को हमने कितना याद रखा?

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास की एक अजीब फितरत होती है। वह कभी-कभी किसी महानायक के महाकाय प्रभाव में उसके सबसे बड़े मददगार और हमसफर को परदे के पीछे धकेल देता है। 23 मार्च 1931 की शाम को जब लाहौर की सेंट्रल जेल में तीन नौजवान फांसी के फंदे की तरफ बढ़ रहे थे, तब भारत की जुबान पर एक नाम ऐसा चढ़ा कि बाकी दो नाम उसके साए में थोड़े सिमट गए। हम बात कर रहे हैं क्रांति के तीन शहीदों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की। इस अटूट तिकड़ी में भगत सिंह क्रांति का चमकता हुआ चेहरा थे और राजगुरु अचूक निशानेबाज, लेकिन इन सबके पीछे जो बेहद शांत, गंभीर और तीखा दिमाग काम कर रहा था, वह नाम था क्रांतिकारी सुखदेव थापर का।

आज 15 मई को उनकी जयंती पर यह सोचना बहुत जरूरी है कि इस जमीनी रणनीतिकार को हमने अपनी यादों और इतिहास में कितना स्थान दिया। पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव और भगत सिंह सिर्फ साथ में देश के लिए लड़ने वाले साथी नहीं थे, बल्कि दोनों के बीच एक बेहद गहरी और बेमिसाल दोस्ती थी। लाहौर के नेशनल कॉलेज के दिनों से शुरू हुआ यह साथ देश की आजादी का सबसे बड़ा हथियार बन गया। जब देश में नौजवानों को एकजुट करने के लिए हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन का गठन हुआ, तो पंजाब की पूरी जिम्मेदारी सुखदेव को सौंपी गई। यहीं से उनके संगठन बनाने और उसे चलाने के लाजवाब हुनर की शुरूआत होती है। वे कागजों पर बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाने और उन्हें चुपचाप जमीन पर सच कर दिखाने में माहिर थे।अक्सर स्कूल-कॉलेज की किताबों में सुखदेव को भगत सिंह के एक साथी के रूप में ही दिखाकर छोड़ दिया जाता है, जो उनके साथ एक तरह की नाइंसाफी है। असलियत तो यह है कि ब्रिटिश पुलिस ने जब अदालत में मशहूर लाहौर षड्यंत्र केस का मुकदमा दर्ज किया था, तो उसकी पहली एफआईआर में आरोपी नंबर एक कोई और नहीं, बल्कि खुद सुखदेव थापर थे। अंग्रेज सरकार भी बहुत अच्छी तरह जानती थी कि इस पूरी सशस्त्र क्रांति की डोर असल में किसके हाथ में है।

लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए जब जेपी सांडर्स को सजा देने की योजना बनी, तो उसके पीछे असली दिमाग सुखदेव का ही था। उन्होंने ही राजगुरु और भगत सिंह को इस बड़े मिशन के लिए तैयार किया, उनके छिपने के गुप्त ठिकाने ढूंढे और काम पूरा होने के बाद वहां से सुरक्षित निकलने का पूरा रास्ता साफ किया। सुखदेव कभी वाहवाही लूटने या अखबारों की सुर्खियों में रहने वाले नेता नहीं थे। वे खुद को हमेशा पीछे रखकर संगठन को मजबूत करते रहे, गलियों-कस्बों में जाकर युवाओं के दिलों में आजादी की अलख जगाते रहे। सुखदेव के बारे में इतिहास का एक पन्ना ऐसा भी है जो अमूमन चचाओं से गायब रहता है। जेल की कालकोठरी में रहते हुए जब राजनीतिक कैदियों के मानवीय अधिकारों का हनन हुआ, तब सुखदेव ने जेल प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। उन्होंने जेल के भीतर बिना अन्न-जल के लगातार 63 दिनों तक ऐतिहासिक भूख हड़ताल की थी। इस कड़े और जानलेवा उपवास ने ब्रिटिश हुकूमत के क्रूर रवैये को पूरी दुनिया के सामने बेनकाब कर दिया था। इस बात से सिद्ध हो जाता है कि वे सिर्फ बम और पिस्तौल की रणनीति ही नहीं जानते थे, बल्कि वैचारिक और सत्याग्रही मोर्चे पर भी उनका कोई सानी नहीं था। उनकी सोच कितनी खुली और साफ थी, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वे किसी भी तरह के अंधविश्वास और रूढ़ियों के सख्त खिलाफ थे। जेल की सलाखों के पीछे रहते हुए उन्होंने महात्मा गांधी को एक खुला खत लिखा था, जिसमें उन्होंने देश के युवाओं की दशा पर बेहद कड़े और सीधे सवाल पूछे थे। यह चिट्ठी बताती है कि उनका दिल देश के भविष्य के लिए कितना तड़पता था। लेकिन आजादी मिलने के बाद हमारे देश के नीति-निमार्ताओं और इतिहासकारों ने सुखदेव के योगदान को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। हमने उन्हें सिर्फ एक शहीद तिकड़ी के हिस्से के रूप में याद रखा। फिल्मों से लेकर बड़े-बड़े सरकारी विज्ञापनों तक में उन्हें वह मुख्य स्थान कभी नहीं मिल पाया। सुखदेव का जीवन हमें सिखाता है कि असली काम शोर मचाकर नहीं, बल्कि शांत रहकर किया जाता है। सुखदेव सिर्फ 23 साल की उम्र में देश पर न्योछावर हो गए। 15 मई का यह दिन देश के उस सच्चे सिपाही को सलाम करने का दिन है जिसने परदे के पीछे रहकर आजादी की सबसे बड़ी इबारत लिखी थी।

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

ललित गर्ग

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है।

आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और ह्यमैंह्ण का अहंकार ह्यहमह्ण की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है।

आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे ह्यअहिंसा की प्रयोगशालाह्ण बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है। क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ण की बात करती हैकृअर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है।

आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी। जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृघृणा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है। परिवार केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का आश्रय है। वह जीवन की तपती धूप में शीतल छांव है, संघर्षों में सहारा है और टूटते विश्वासों के बीच उम्मीद की अंतिम किरण है। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत हैकृपरिवार को बचाने की नहीं, परिवार के भीतर मानवीय मूल्यों को बचाने की। यही मानवता का भविष्य सुरक्षित करेगा और यही अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस का वास्तविक संदेश भी है।

डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनफिंग की मुलाकात के कूटनीतिक मायने शेष दुनिया के लिए अहम

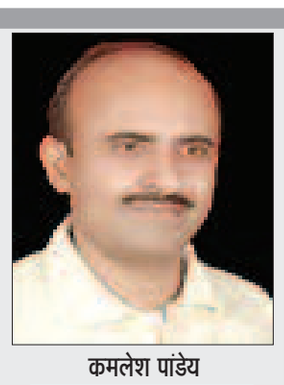

कमलेश पांडेय

गौरतलब है कि पिछले साल यानी अक्टूबर 2025 में जब आखिरी बार ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात हुई थी, तब उनके बीच मुख्य मुद्दा टैरिफ था, लेकिन अब बदलते वैश्विक हालात में जाहिर तौर पर ईरान भी होगा। क्योंकि पश्चिम एशिया संकट ने दोनों देशों के लिए मुश्किलें बढ़ाई है।

सफल कारोबारी से राजनेता बने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने हर रिश्ते को फायदे और नुकसान के नजरिये से देखते है, लेकिन कूटनीतिक इंजीनियर समझे जाने वाले चीन के अपने दौरे को लेकर उन्होंने केवल इतना भर कहा कि यह सिर्फ व्यापार नहीं, वैश्विक रणनीतिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है। चूंकि अमेरिका और चीन एक दूसरे के सहयोगी और प्रतिस्पर्धी दोनों समझे जाते हैं, इसलिए लगभग एक दशक के अन्तराल पर हुई उनकी यह यात्रा के कूटनीतिक मायने अहम समझे जाते हैं, क्योंकि उनकी इस मुलाकात की सफलता और विफलता का असर पूरी दुनिया पर निःसंदेह पड़ेगा।

गौरतलब है कि पिछले साल यानी अक्टूबर 2025 में जब आखिरी बार ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात हुई थी, तब उनके बीच मुख्य मुद्दा टैरिफ था, लेकिन अब बदलते वैश्विक हालात में जाहिर तौर पर ईरान भी होगा। क्योंकि पश्चिम एशिया संकट ने दोनों देशों के लिए मुश्किलें बढ़ाई है। इसलिए स्वाभाविक बात है कि आपसी तनाव के बावजूद वे सहयोग का रास्ता तलाशने की कोशिश करेंगे। चूंकि लगभग एक दशक बाद यानी 2017 के बाद कोई अमेरिकी राष्ट्रपति 2026 में चीन पहुंचा है। हालांकि, टैरिफ वॉर की वजह से माना जाता है कि ट्रंप का रुख पेइचिंग को लेकर कठोर है।

समझा जाता है कि अपने पहले कार्यकाल में ही उन्होंने यानी ट्रंफ ने चीन से होने वाले आयात पर टैरिफ की घोषणा की थी। जबकि दूसरे टर्म में वह इस लड़ाई को और आगे ले गए और 125% तक भारी भरकम टैरिफ तक जड़ दिया। हालांकि दुनियावी रेयर अर्थ मिनरल्स पर चीनी नियंत्रण की वजह से आखिरकार ट्रंप को झुककर समझौता करना पड़ा था, अन्यथा उनका कारोबारी हित प्रभावित होता। ऐसे में टैरिफ वॉर भले थम गई हो, पर अमेरिका और चीन के बीच की पारस्परिक होड़ कायम है और वह नित्य नए स्वरूप में उभरकर सामने आ ही जाती है। चूंकि दोनों देश एक-दूसरे पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहते हैं, पर इतना नहीं जिससे बात ज्यादा बिगड़े।

हाल के अमेरिका/इजरायल और ईरान युद्ध के दौरान भी कुछ यही देखने को मिला है। भले ही ईरान की आर्थिक व सामरिक मदद के आरोप में अमेरिका ने कुछ चीनी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की, और चीन ने भी पलटवार करते हुए वॉशिंगटन की नीतियों का विरोध किया, लेकिन सब कुछ नियंत्रण में रहकर हुआ। इसकी ठोस वजह उनकी आपसी निर्भरता और पारस्परिक जरूरत भी है, जिसे समझने की जरूरत है। आपको यह मालूम होना चाहिए कि चीन के लिए अमेरिका आज भी सबसे बड़ा बाजार है। हालांकि इस साल चीनी निर्यात में करीब 10% की कमी आई है। चीन की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के लिए यह झटका है।

दिलचस्प बात तो यह है कि खाड़ी देशों में भी चीन का निर्यात घटा है। मसलन, तेहरान (ईरान) का सबसे बड़ा तेल खरीदार होने के नाते भी उसकी परेशानी बढ़ रही है। लिहाजा चीन चाहता है कि युद्ध जल्दी थमे। भारत की भी यही सोच है। वहीं दूसरी ओर, ट्रंप को ईरान पर समर्थन और निवेश के लिए चीन चाहिए। इसीलिए वह अपने साथ कई बड़े उद्यमियों को लेकर बीजिंग पहुंचे हैं। चूंकि अमेरिका इस दौरे से बड़ी डील की उम्मीद कर रहा है, खासकर बोइंग विमानों की। इसलिए आलोचकों को डर है कि कहीं ताइवान पर ट्रंप नरम न पड़ जाएं। अमेरिकी हित में वह ऐसा कर सकते है।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि चूंकि इस समय दोनों रसूखदार नेता घरेलू मोर्चे पर विविध असहज स्थितियों में फंसे हुए हैं। लिहाजा उनकी कोशिश यही होगी कि इस मुलाकात से कुछ बड़ा हासिल किया जाए। यदि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं पारस्परिक सहयोग के रास्ते पर बढ़ती है और ईरान में शांति कायम होती है, तो यूक्रेन सहित सभी का फायदा होगा।

 # आखिर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के चीन दौरे पर भारत की नजर क्यों है?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे पर दुनियाभर की निगाहें लगी हुई हैं। ऐसे में स्वाभाविक बात है कि भारत भी अपने दोनों प्रतिस्पर्धियों पर नजर रखेगा। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भी इससे जुड़े एक सवाल पर कहा भी है कि भारत के कई देशों के साथ रिश्ते है। कई देशों के साथ साझेदारी आगे बढ़ रही है। चूंकि विभिन्न देशों के बीच इस तरह का दौरा होता रहता है और जब भी इस तरह के दौरे होते हैं तो भारत देखता है कि उसमें क्या बदलाव आया है- या फिर क्या गतिविधियां हुई। ऐसा इसलिए किया जाता है कि राष्ट्रहित के अनुरूप नीतियां संशोधित होती रहें। चूंकि भारत हाल के वर्षों में अमेरिका भारत का अहम रणनीतिक साझेदार बनकर उभरा है। दूसरी ओर चीन भी भारत का अहम पड़ोसी देश है, जिसके साथ सीमा विवाद के बाद भी रिश्ते व्यवहारिक समझ पर वापस लौट रहे है। ऐसे में दोनों देशों के आपसी संबंध और इस दौरे के निष्कर्ष भी भारत पर असर डालेगा। अमेरिका और चीन के रिश्ते एक लंबे वक्त तक असहजता के दायरे में रहे, जिसके जियोपॉलिटिकल प्रभाव से भारत भी अछूता नहीं रहा है। ट्रंप का यह दौरा 2017 के बाद हो रहा है। चीन पहुंचने पर बुधवार को ट्रंप का स्वागत उपराष्ट्रपति ने किया, जो 2017 से अच्छा स्वागत होने को दशार्ता है।

चीन मामलो के जानकार बताते हैं कि भारत जानना चाहेगा कि ट्रंप और चिनफिंग के बीच बातचीत का क्या निष्कर्ष निकला। हाल के वर्षों में प्रशांत महासागर में जिस तरह चीन का प्रभाव बढ़ा है, इसी बैलेस ऑफ पावर के मद्देनजर अमेरिका और भारत रणनीतिक और सामरिक मुद्दों पर लगातार नजदीकी स्तर पर काम करते रहे। ऐसे में अमेरिका और चीन अपने सबंधों को अगर फिर से नया आयाम देने का फैसला करते है तो अमेरिका व चीन दोनों के रिश्तों के मुताबिक भारत को भी अपनी विदेश नीति में बदलाव करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

हंगरी में 16 साल बाद नई सरकार, मंत्रियों ने संभाले पदभार

बुडापेस्ट, एजेंसी। यूरोपीय देश हंगरी में 16 साल के बाद व्यवस्था बदल गई है। मंत्रियों ने पदभार संभाल लिए हैं। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में मंगलवार को प्रधानमंत्री पीटर मैग्यार के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल मंत्रियो को शपथ दिलाई गई। सत्ता हस्तांतरण से पहले मैग्यार की प्रो-यूरोपीय तिस्ज़ा पार्टी ने पिछले महीने ओर्बन की फ़िडेज़ पार्टी को हराकर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। इसी के साथ 16 साल से चला आ रहा ओर्बन के राजनीतिक सिस्टम का पटाक्षेप हो गया है। पीटर मैग्यार ने अपनी नीतियों का संकेत देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व वाली नई सरकार सभी हंगरीवासियों की होगी और मंत्री राष्ट्र सेवा की भावना के साथ काम करेंगे। मैग्यार ने भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, सार्वजनिक धन की वसूली, लोकतांत्रिक संस्थाओं को बहाल करने जैसे लुभावने वादे भी किए। नई सरकार में 16 मंत्रालय हैं, जिनमें स्वास्थ्य, पर्यावरण और शिक्षा के लिए अलग विभाग हैं। इसका लक्ष्य यूरोपीय संघ के जमे हुए करीब 17 अरब यूरो के फंड को वापस लाना है, जिस पर विदेश मंत्री अनीता ओर्बन ने भी जोर दिया।

मशहूर अमेरिकी अभिनेत्री जेनिफर हार्मोन का निधन

न्यूयार्क, एजेंसी। वन लाइफ टु लिव और हाउ टु सरवाइव ए मैरिज जैसे लोकप्रिय सोप ओपेरा के लिए मशहूर अमेरिकी अभिनेत्री जेनिफर हार्मोन का निधन हो गया है। वह 82 साल की थीं। परिजनों ने बताया कि जेनिफर ने शनिवार को न्यूयॉर्क में आखिरी सांस ली। हार्मोन ने अपने लगभग पांच दशकों के करिअर में ब्रॉडवे मंच (थिएटर) पर 21 बार अपनी कला का प्रदर्शन कर विशिष्ट पहचान बनाई थी। वे रंगमंच की दुनिया का एक प्रतिष्ठित चेहरा थीं। जेनिफर हार्मोन लोकप्रिय टीवी शो 'वन लाइफ टू लिव' में 'कैथी' का किरदार निभाने के लिए जानी जाती थीं। वह इस भूमिका को निभाने वाली पांचवीं अभिनेत्री थीं। उन्होंने 1976 से 1978 तक यह रोल किया और इसके लिए डे-टाइम एमी अवॉर्ड के लिए नामांकन भी मिला था। इससे पहले उन्होंने 1974-75 में हब्बष्ट के शो 'हाउ टू सरवाइव ए मैरिज' में मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। जेनिफर हार्मोन का जन्म 3 दिसंबर 1943 को कैलिफोर्निया के पासाडेना में हुआ था। वह न्यू ऑरलियन्स में बड़ी हुई। उन्होंने मिसिसिपी और मिशिगन विश्वविद्यालय से पढ़ाई की। इसके बाद न्यूयॉर्क जाकर उन्होंने थिएटर में काम शुरू किया। 1965 में जेनिफर ने ब्रॉडवे पर डेब्यू किया। उनके करियर में 'द स्कूल फॉर स्कैंडल', 'ब्लाइथ स्पिरिट', 'द ग्लास मेनेजरी', 'बेयरफुट इन द पार्क' जैसे कई प्रसिद्ध सीरियल्स में काम किया है। उन्होंने कई दशकों तक ब्रॉडवे पर अपनी अच्छे अभिनय का लोहा मनवाया। 'वन लाइफ टू लिव' में 1990 के दशक में वह एक वकील के रोल में भी वापस लौटी थीं। उन्होंने 'अनदर वर्ल्ड', 'गाइडिंग लाइट' और 'लविंग' जैसे कई सोप ओपेरा में भी काम किया।

एक और पर्वतारोही की माउंट एवरेस्ट पर मौत, अब तक 3 मरे

काठमांडू, एजेंसी। माउंट एवरेस्ट पर एक और नेपाली पर्वतारोही की दरार में गिरने से मौत हो गई। पिछले दो हफ्तों के भीतर दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर होने वाली यह तीसरी मौत है। अधिकारियों ने बताया कि 21 वर्षीय फुरा ग्यालजेन शेरपा कैंप-3 के पास बर्फ पर फिसलकर लगभग 7,200 मीटर की ऊंचाई पर हादसे का शिकार हुए। इससे पहले खूंबू आइसफॉल और बेस कैंप के रास्ते में दो अन्य नेपाली पर्वतारोहियों बिजय घिमिरे बिश्वकर्मा (35) और लक्पा देंडी शेरपा (51) की जान गई थी।

आईडीएमसी रिपोर्ट में खुलासा : युद्ध और हिंसा ने दुनिया में मचाई तबाही, अपने ही देश में बेघर हुए 8.2 करोड़ लोग

जिनेवा, एजेंसी। दुनियाभर में संघर्ष, गृहयुद्ध, सांप्रदायिक हिंसा और जलवायु आपदाओं ने करोड़ों लोगों को अपने ही देश में बेघर कर दिया है। इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर (आईडीएमसी) व नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल (एनआरसी) की ताजा ग्लोबल रिपोर्ट ऑन इंटरनल डिस्प्लेसमेंट 2026 के अनुसार 2025 के अंत तक 104 देशों में 8 करोड़ 22 लाख लोग आंतरिक रूप से विस्थापित जीवन जी रहे थे। यह संख्या जर्मनी की आबादी के बराबर है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस वर्षों में यह आंकड़ा दोगुने से अधिक हो गया है और पहली बार युद्ध तथा हिंसा ने प्राकृतिक आपदाओं से ज्यादा लोगों को विस्थापित किया। रिपोर्ट के मुताबिक 8 करोड़ 22 लाख विस्थापितों में 6 करोड़ 86 लाख लोग संघर्ष और हिंसा के कारण बेघर हुए। रिपोर्ट के अनुसार जून 2025 में इस्त्राइल और ईरान के बीच हुए 12 दिन के संघर्ष ने आधुनिक समय की सबसे बड़ी एकल आंतरिक विस्थापन घटना पैदा की। इस्त्राइली सैन्य कार्रवाई और निकासी चेतावनियों के बाद तेहरान से करीब एक करोड़ लोगों को भागना पड़ा।

डेमोक्रेटिक नेताओं ने दी ईरान में बढ़े पैमाने पर युद्ध बढ़ने की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सीनेटरों ने चेतावनी दी है कि ट्रंप प्रशासन अमेरिका को मध्य पूर्व में एक और लंबे युद्ध की तरफ धकेल सकता है। ईरान के साथ चल रहे तनाव और युद्ध को लेकर अमेरिकी सीनेट में हुई एक अहम सुनवाई के दौरान नेताओं के बीच गहरे मतभेद सामने आए। इस दौरान युद्ध की बढ़ती आर्थिक और सैन्य लागत पर भी चिंता जताई गई। यह बहस उस समय हुई जब राष्ट्रपति ट्रंप के 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा बजट प्रस्ताव पर सीनेट की रक्षा संबंधी उपसमिति में चर्चा चल रही थी। कई डेमोक्रेट सीनेटर्स ने मौजूदा हालात की तुलना अमेरिका के पुराने इराक और अफगानिस्तान युद्धों से की। उनका कहना था कि सरकार के पास इस संघर्ष को खत्म करने की कोई स्पष्ट और लंबी रणनीति दिखाई नहीं दे रही है। सीनेटर क्रिस कून्स ने कहा कि प्रशासन किसी व्यापक राजनीतिक योजना के बिना, युद्ध के मैदान में मिलने वाली छोटी-मोटी जीतों पर ही केंद्रित लग रहा है। कून्स ने कहा, 'राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में पहले एक आम सहमति हुआ करती थी कि अमेरिका को युद्ध में तभी उतरना

चाहिए जब हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा पर कोई खतरा हो, जब बाकी सभी विकल्प खत्म हो चुके हों, और जब हमारे पास स्पष्ट उद्देश्य और यह योजना हो कि युद्ध का अंत कैसे होगा।' कून्स ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से बार-बार यह सवाल किया कि प्रशासन अब तक होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह सुरक्षित क्यों नहीं बना पाया। इस समुद्री रास्ते पर ईरान के दबाव की वजह से दुनियाभर में तेल और ईंधन की कीमतें बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार को कुछ सैन्य सफलताएं जरूर मिली हैं, लेकिन रणनीतिक स्तर पर अमेरिका को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सीनेटर क्रिस्टोफर मर्फी ने भी सवाल उठाया कि क्या प्रशासन ईरान की, लंबे समय तक आर्थिक और सैन्य दबाव झेलने की क्षमता को कम करके आंक रहा है। मर्फी ने कहा, 'यह एक बहुत जोखिम भरी रणनीति है।' उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान तो शायद वर्षों तक प्रतिबंधों और सैन्य दबाव को झेल जाए, लेकिन अमेरिकी परिवारों को ईंधन की आसमान छूती कीमतों के कारण भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

मर्फी ने तर्क दिया कि 'इस मामले में समय हमारे पक्ष में नहीं है,' क्योंकि तेल की बढ़ती कीमतें पहले से ही अमेरिकी किसानों और आम परिवारों को नुकसान पहुंचा रही हैं।

सीनेटर पैटी मरे ने रक्षा बजट में भारी बढ़ोतरी की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार घरेलू जरूरतों से ज्यादा युद्ध पर पैसा खर्च कर रही है। मरे ने कहा, 'आप परिवारों की गाढ़ी कमाई से दिए गए टैक्स के पैसों को एक ऐसे युद्ध पर खर्च कर रहे हैं जिसका बहुत से लोग पुरजोर विरोध करते हैं। आप अगले साल के लिए युद्ध के बजट में आधा ट्रिलियन डॉलर की बढ़ोतरी करना चाहते हैं। डेमोक्रेट नेताओं ने यह सवाल भी उठाया कि क्या ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए सरकार के पास कानूनी अधिकार हैं या नहीं। उनका कहना था कि इतने बड़े संघर्ष के लिए कांग्रेस की औपचारिक मंजूरी जरूरी होनी चाहिए। सुनवाई के दौरान रक्षा मंत्री हेगसेथ ने ट्रंप प्रशासन का बचाव किया। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप ने वह हासिल किया है जो पिछली सरकारें नहीं कर सकीं। उनका कहना था कि अमेरिका के पास पहले से ज्यादा दबाव बनाने की ताकत है और यह अभियान ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए जरूरी है। पेंटागन अधिकारियों के मुताबिक अब तक ईरान संघर्ष पर करीब 29 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। सीनटरों ने चेतावनी दी कि अगर सैन्य अभियान लंबे समय तक जारी रहा और मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों को और नुकसान हुआ, तो यह खर्च और तेजी से बढ़ सकता है।

पूरी बहस से यह साफ दिखाई दिया कि वॉशिंगटन में इस बात को लेकर चिंता बढ़ रही है कि ईरान के साथ यह टकराव आगे चलकर एक बड़े और लंबे युद्ध में बदल सकता है। ठीक ऐसे समय में अमेरिका पहले ही चीन, रूस और यूक्रेन से जुड़े मामलों में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है।

नहीं डालेंगे हथियार, इजरायल के लिए बना देंगे नरक; हिजबुल्लाह प्रमुख ने दी सीधी धमकी

तेहरान, एजेंसी। हिजबुल्लाह के वरिष्ठ नेता नईम कासिम ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि समूह की सैन्य क्षमताएं और हथियार पूरी तरह से लेबनान का आंतरिक मामला हैं। इजराइल के साथ चल रही शत्रुता के दौरान इन्हें किसी भी सौदेबाजी की मेज पर नहीं रखा जाएगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, कासिम ने टेलीविजन संबोधन में इजरायली सैन्य दबाव का मुकाबला करते हुए कहा कि हम मैदान नहीं छोड़ेंगे। हम इजरायल के लिए इसे नरक बना देंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके लड़ाके लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इस दौरान कासिम ने लेबनानी सरकार के साथ भविष्य के सहयोग की रूपरेखा भी पेश की, जिसमें पांच प्रमुख उद्देश्य शामिल हैं... इजरायली आक्रामकता समाप्त कर लेबनान की संप्रभुता सुनिश्चित करना कब्जे वाले सभी क्षेत्रों से इजरायली सैनिकों की पूर्ण वापसी

बंदियों की रिहाई : विस्थापित नागरिकों की दक्षिणी लेबनान में सुरक्षित वापसी व्यापक स्तर पर पुनर्निर्माण कार्य वहीं, विदेशी हस्तक्षेप पर कासिम ने कहा कि लेबनान के बाहर किसी भी देश या पक्ष को हथियारों, प्रतिरोध आंदोलन या आंतरिक मामलों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। हिजबुल्लाह प्रमुख ने साफ किया कि प्रतिरोध के हथियार अंतरराष्ट्रीय वार्ताकारों के लिए चर्चा का विषय नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह

लेबनान का आंतरिक मामला है और दुश्मन के साथ किसी भी बातचीत का हिस्सा नहीं होगा। नईम कासिम ने आगे बताया कि पांच बिंदुओं को हासिल करने के बाद लेबनान अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के तहत आंतरिक मामलों को व्यवस्थित करेगा, जिसमें प्रतिरोध आंदोलन सहित अपनी सभी क्षमताओं का उपयोग किया जाएगा। बता दें कि यह बयान ऐसे समय में आया है जब लेबनान-इजरायल सीमा पर अस्थिरता बरकरार है। मई 2026 के मध्य तक अमेरिका की मध्यस्थता से हुआ युद्धविराम, जो मूल रूप से 17 अप्रैल को लागू हुआ था, अब कागजी घोषणा बनकर रह गया है। इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान के बफर जोन में अपनी मौजूदगी बनाए हुए है और रोजाना झड़पें जारी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मार्च से अब तक इजरायली बलों ने लेबनान के लगभग 6 प्रतिशत क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। बता दें कि 2 मार्च को संघर्ष बढ़ने के बाद स्थिति बेहद खराब हो गई है। अल जजीरा के अनुसार, इजरायली अभियानों में 2840 से अधिक लोग मारे गए और 8700 से ज्यादा घायल हुए हैं। एक लाख से अधिक नागरिक विस्थापित हो चुके हैं।

धमाके से दहला पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा, आत्मघाती हमले में 9 लोगों की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में एक भीड़-भाड़ वाले बाजार में हुए ब्लास्ट में कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 35 लोगों के घायल होने की खबर है। बताया जाता है कि यह ब्लास्ट नौरंग बाजार में हुआ जो खैबर पख्तूनख्वा का काफी व्यस्त कारोबारी केंद्र माना जाता है।

आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ाया : प्राथमिक सूचना के मुताबिक यह एक आत्मघाती हमला था। हमलावर विस्फटकों से लैस एक ऑटो रिक्शा में सवार हो कर भीड़ भरे बाजार में पहुंचा और धमाका कर दिया। इस ब्लास्ट में दो सुरक्षा अधिकारी समेत 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 35 लोग घायल हो गए। यह घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मरवत जिले में हुई। जिला पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आत्मघाती हमलावर ने नौरंग बाज़ार के फाटक चौक पर विस्फोटकों से भरे अपने ऑटो रिक्शा में धमाका कर दिया।

मृतकों में दो ट्रैफिक पुलिसकर्मी भी शामिल : अधिकारियों ने बताया कि इस ब्लास्ट में दो ट्रैफिक पुलिसकर्मी और एक महिला समेत 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 35 अन्य लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए सराय नौरंग स्थित तहसील मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिस वक्त यह आत्मघाती हमला हुआ उस वक्त बाजार में काफी भीड़-भाड़ थी। कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें आगे के इलाज के लिए बन्नू और पेशावर के अस्पतालों में रेफर कर दिया गया है। घायलों की तादाद को देखते हुए अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है और सभी मेडिकल स्टाफ को बुला लिया गया है। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता शाहदाब खान ने बताया कि ब्लास्ट की सूचना मिलते ही राहत कार्यों के लिए घटनास्थल पर एंबुलेंस और टीमें भेजी गईं। वहीं खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री मुहम्मद सुहैल अफरीदी ने इस ब्लास्ट का संज्ञान लिया और पुलिस महानिरीक्षक को घटना पर एक डिटेल्ड रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, 'इस मुश्किल समय में हम पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं, और प्रांतीय सरकार उन्हें हर संभव मदद मुहैया कराएगी।

अर्जेंटीना: राष्ट्रपति मिलेई के खिलाफ सड़कों पर उतरे हजारों लोग

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना में मंगलवार को हजारों लोग देशभर के बड़े शहरों की सड़कों पर उतर आए। इन लोगों ने राष्ट्रपति जेवियर मिलेई की ओर से सरकारी विश्वविद्यालयों की फंडिंग में कटौती के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस संकटग्रस्त देश में सरकारी विश्वविद्यालय व्यवस्था लोगों के लिए गर्व का विषय मानी जाती है। राजधानी ब्यूनस आयर्स में भारी भीड़ ने सरकारी मुख्यालय तक रैली निकाली और विश्वविद्यालयों के बजट में कमी का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि फंड की कमी से देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था कमजोर हो रही है। अर्जेंटीना की सरकारी विश्वविद्यालय व्यवस्था देश के शिक्षित कार्यबल की मजबूत नींव मानी जाती है और मध्यम वर्ग के लिए यह गर्व की बात है। यहां 1949 से पढ़ाई मुफ्त है और इसी व्यवस्था ने पांच नोबेल पुरस्कार विजेता दिए हैं। पिछले साल संसद ने विश्वविद्यालयों के खर्च और शिक्षकों के वेतन को बढ़ती महंगाई के हिसाब से बढ़ाने के लिए कानून पारित किया था। लेकिन सरकार ने अभी तक इसे लागू नहीं किया और अदालत में इस कानून को चुनौती दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरह मिलेई भी अक्सर विश्वविद्यालय परिसरों को 'वोक विचारधारा' फैलाने वाली जगह बताते हैं। मिलेई ने सरकारी खर्च में भारी कटौती की अपनी योजना के तहत शिक्षा क्षेत्र की फंडिंग कम कर दी है। उनका कहना है कि पिछली वामपंथी सरकारों ने लापरवाही से खर्च किया, जिससे भ्रष्टाचार बढ़ा। मंगलवार के प्रदर्शन में हर उम्र और अलग-अलग राजनीतिक विचारधारा के लोग शामिल हुए। यह प्रदर्शन ऐसे समय हुआ है, जब आर्थिक गतिविधियों में गिरावट, कम होती तनख्वाह और बढ़ती बेरोजगारी के कारण मिलेई की लोकप्रियता घट रही है। हाल के दिनों में भ्रष्टाचार के कई मामलों ने भी सरकार को घेरा है। खास तौर पर कैबिनेट प्रमुख मैनुअल अडोर्नी के कथित खर्चों की जांच चर्चा में है। आरोप है कि उनका खर्च उनकी सरकारी तनख्वाह और घोषित संपत्ति से मेल नहीं खाता। एक छात्र के पोस्टर पर लिखा था, अडोर्नी पर हमारा कितना पैसा खर्च हो रहा है? विश्वविद्यालय मामलों के उप सचिव अलेजांद्रो अल्वारेज ने मंगलवार के प्रदर्शन को 'पूरी तरह राजनीतिक' बताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने विश्वविद्यालयों के बढ़े हुए खर्च के लिए अतिरिक्त पैसा दिया है। लेकिन शिक्षक संगठनों ने इसे अपर्याप्त बताया है। सरकार का कहना है कि जिस कानून को चुनौती दी गई है, उसमें यह स्पष्ट नहीं बताया गया अब सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई होने की संभावना है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने देश की सर्वोच्च अदालत से 'जनता की आवाज सुनने' की अपील की। मुख्य शिक्षक संघ के अनुसार, 2023 के आखिर में मिलेई के सत्ता में आने के बाद महंगाई को देखते हुए विश्वविद्यालय शिक्षकों की वास्तविक आय में करीब 33 फीसदी की गिरावट आई है। ब्यूनस आयर्स विश्वविद्यालय के कुलपति रिकार्डो गेल्पी ने कहा कि खरीदने की क्षमता घटने के कारण इंजीनियरिंग और विज्ञान विभाग के कम से कम 580 शोध प्रोफेसरों ने सरकारी संस्थान छोड़ दिए हैं।

अमेरिका में एफडीए प्रमुख डॉ मकरी का इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक संस्था एफडीए के कमिश्नर डॉक्टर मार्टी मकरी ने पद से इस्तीफा दे दिया है। पिछले काफी समय से प्रशासन के भीतर और बाहर से उन पर दबाव बनाया जा रहा था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर इसकी पुष्टि की। ट्रंप ने मकरी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक कठोर परिश्रमी डॉक्टर बताया। हालांकि, कई मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि ट्रंप उन्हें बर्खास्त करने की योजना को पहले ही मंजूरी दे चुके थे। अब उनकी जगह काइल डायमांटास कार्यकारी प्रमुख की जिम्मेदारी संभालेंगे।

फ्लेवर्ड ई-सिगरेट पर छिड़ा था 'शीत युद्ध' : डॉक्टर मकरी के इस्तीफे के पीछे सबसे बड़ी वजह ई-सिगरेट नीति को माना जा रहा है। पिछले सप्ताह एफडीए ने पहली बार फ्रूट-फ्लेवर्ड ई-सिगरेट को बाजार में उतारने की मंजूरी दी थी। मकरी इस फैसले के सख्त खिलाफ थे। उनका मानना था कि फलों के स्वाद वाले वेप्स बच्चों और युवाओं को नशे की लत में धकेल देंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इसी वैचारिक मतभेद के कारण उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया। प्रशासन के अन्य अधिकारी इस मंजूरी के पक्ष में थे, जिससे टकराव की स्थिति पैदा हो गई थी।

आंतरिक कलह के बाद शीर्ष अधिकारियों का पलायन : मकरी का एक साल का कार्यकाल विवादों से घिरा रहा। उनके नेतृत्व में एफडीए के भीतर भारी अस्थिरता देखी गई। एजेंसी के लगभग सभी वरिष्ठ करियर अधिकारियों ने या तो इस्तीफा दिया या उन्हें हटा दिया गया। हेल्थ सेक्रेटरी रॉबर्ट एफ केनेडी जूनियर के हस्तक्षेप और राजनीतिक हितों के कारण वैज्ञानिक सिद्धांतों से समझौते के आरोप लगे। ड्रग सेंटर में एक साल के भीतर छह अलग-अलग निदेशक बदले गए। इससे कर्मचारियों का मनोबल गिर गया और एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे।

फार्मा दिग्गज और एक्टिविस्ट भी थे नाराज : डॉक्टर मकरी को चौतरफा विरोध का सामना करना पड़ा। फार्मा कंपनियों के सीईओ उनकी नीतियों से असंतुष्ट थे। उनका आरोप था कि मकरी की कार्यशैली से दवाओं की मंजूरी में अनिश्चितता पैदा हुई है। दूसरी ओर, गर्भपात विरोधी समूह भी उन पर हमलावर थे। इन समूहों का आरोप था कि मकरी गर्भपात की दवा मिफेप्रिस्टोन की समीक्षा में जानबूझकर देरी कर रहे हैं। वहीं, वेपिंग लॉबिस्टों ने ट्रंप से शिकायत की थी कि मकरी उनके उत्पादों के रास्ते में रोड़ा अटका रहे हैं।

अधर में लटकीं मकरी की नई योजनाएं : मकरी ने दवा समीक्षा प्रक्रिया को तेज करने के लिए कई पहल की थीं। उन्होंने इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल पर जोर दिया था। लेकिन उनके इस्तीफे के बाद इन योजनाओं का भविष्य धुंधला गया है। इनमें से अधिकांश कार्यक्रमों को अभी तक कानूनी रूप से लागू नहीं किया गया था। ऐसे में नए प्रमुख इन फैसलों को आसानी से पलट सकते हैं। विपक्षी दल भी इन योजनाओं की वैधता पर लगातार सवाल उठाते रहे हैं।

ईरान पर नई मुसीबत, अमेरिका से तनाव के बीच भूकंप से दहली राजधानी तेहरान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका के साथ युद्ध के बीच ईरान पर नई मुसीबत आ गई है। खबर है कि मंगलवार को राजधानी तेहरान में भूकंप आया है। इसकी तीव्रता 4.6 मापी गई है। हालांकि, इस दौरान किसी जान और माल के नुकसान की खबर नहीं है। फिलहाल, मुल्क के कई शहरों में राहत टीमों को अलर्ट कर दिया गया है। इससे पहले 3 मार्च को भी ईरान के गेराश क्षेत्र में भूकंप आया था, जिसकी तीव्रता 4.3 रही थी। आईआरआईबी यानी इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के अनुसार, भूकंप के एक घंटे के बाद तक भी नुकसान की कोई खबर नहीं थी। साथ ही कहा गया है कि इस दौरान किसी तरह का आर्थिक नुकसान भी नहीं हुआ है। एजेंसी ने लिखा, 'तेहरान, माजनदरान, कोम और अलबोर्ज में रेड क्रीसेंट फोर्सेज को अलर्ट पर रखा गया है।' शुरुआती रिपोर्ट में बताया गया है कि भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी नीचे तेहरान-माजनदरान प्रांत सीमा के पास था। यह राजधानी तेहरान से 41 किमी और करज से 77 किमी दूरी पर है। भूकंप के झटके तेहरान प्रांत के पूर्वी हिस्सों और माजनदरान प्रांत के शहरों में महसूस किए गए हैं। 3 मार्च को आए भूकंप का केंद्र भूमि की सतह से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में था। विशेषज्ञों के अनुसार, इतनी कम गहराई वाले भूकंप प्राकृतिक टेक्टोनिक गतिविधियों से जुड़े होते हैं और इस भूगर्भीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में ऐसे झटके असामान्य नहीं माने जाते। 28 फरवरी से शुरू हुए ईरान और अमेरिका युद्ध के बाद अब तक स्थायी समझौता नहीं हो सका है। हाल ही में दोनों मुल्कों के बीच शांति प्रस्ताव एक बार फिर खारिज हो गया है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर ईरान डील नहीं करता है, तो वह उस मुल्क को खत्म कर देंगे। साथ ही कहा है कि स्थिति अमेरिका के नियंत्रण में है और ईरान को खत्म करने के लिए उन्हें चीन की जरूरत नहीं है। एजेंसी वार्ता ने सीएनएन के हवाले से लिखा है कि ट्रंप पश्चिमी एशिया में फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। इससे पहले, ट्रंप के साथ बातचीत के बाद फॉक्स न्यूज ने कहा था कि वाइट हाउस होर्मुज जलमार्ग में जहाजों की आवाजाही बहाल करने के लिए 'ऑपरेशन प्रोजेक्ट फ्रीडम' को फिर से शुरू करने पर विचार कर रहा है। ट्रंप को संघर्ष को सुलझाने के लिए हो रही बातचीत में ईरान के रुख से लगातार निराशा हाथ लगी है और अब वह बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान फिर से शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि होर्मुज के बंद रहने से अमेरिकी राष्ट्रपति का धैर्य जवाब दे रहा है।

ट्रंप के रक्षा बजट पर बवाल: ईरान युद्ध पर अमेरिकी संसद में घमासान, हेगसेथ बोले- अब भी हमारे हाथ में सारे पत्ते

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान का जोरदार बचाव किया। उन्होंने कहा कि तमाम तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी संकट के बावजूद अमेरिका अब भी सभी पत्ते अपने हाथ में रखता है। सीनेट विनियोग उपसमिति के समक्ष रक्षा मामलों की सुनवाई के दौरान हेगसेथ ने डेमोक्रेट सांसदों के साथ तीखी बहस की। इस बैठक में जॉइंट चीफ्स चेयरमैन डैन केन भी मौजूद थे। सुनवाई का मुख्य मुद्दा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रस्तावित 1.5 ट्रिलियन डॉलर का रक्षा बजट, ईरान युद्ध की बढ़ती लागत, होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से बढ़ती तेल कीमतें और चीन-यूक्रेन को लेकर अमेरिकी रणनीति रही। हेगसेथ ने कहा कि ईरान की सैन्य ताकत को बड़ा नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने दावा किया कि 47 वर्षों से ईरान अमेरिका पर हमला करता रहा है और परमाणु हथियार कार्यक्रम को लेकर झूठ बोलता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने आखिरकार कार्रवाई करने का साहस दिखाया। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की पूरी पारंपरिक नौसेना अब फारस की खाड़ी के तल में पड़ी है और मौजूदा स्थिति में अमेरिका के पास पहले से ज्यादा दबदबा है। हालांकि डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप प्रशासन की रणनीति पर गंभीर सवाल उठाए। सीनेटर क्रिस कून्स ने कहा कि यह युद्ध बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य और अंत की योजना के लड़ा जा रहा है, जिसकी कीमत अमेरिकी जनता चुका रही है। वहीं सीनेटर पैटी मरे ने बढ़ती ईंधन और खाद्य कीमतों के बीच भारी रक्षा खर्च पर सवाल उठाए। पेंटागन के मुताबिक ईरान

संघर्ष पर अब तक करीब 29 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं, हालांकि अमेरिकी सैन्य ठिकानों को हुए नुकसान का पूरा आकलन अभी बाकी है। सुनवाई के दौरान सबसे बड़ा सवाल होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने को लेकर उठा। वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद अहम इस समुद्री मार्ग में व्यवधान के कारण दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं। इस पर हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका के पास 'सैन्य विकल्प मौजूद हैं', लेकिन वाशिंगटन अब भी बातचीत के जरिए समाधान चाहता है ताकि ईरान 'अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में समुद्री डकैती' बंद करे। जॉइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल डैन केन ने भी माना कि ईरान अपनी सैन्य गतिविधियों के जरिए दुनिया की अर्थव्यवस्था को बंधक बनाए हुए है, लेकिन उन्होंने सैन्य योजनाओं पर सार्वजनिक रूप से ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। सुनवाई में मिच मैककोनेल ने नाटो सहयोगियों और यूक्रेन को समर्थन जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे समय में जब अमेरिका के विरोधी देश एकजुट हो रहे हैं, सहयोगियों से दूरी बनाना खतरनाक हो सकता है। वहीं चीन को लेकर भी अमेरिका की रणनीति पर चर्चा हुई। ट्रंप की संभावित बीजिंग यात्रा से पहले मैककॉनेल ने पूछा कि क्या ताइवान और दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी प्रतिबद्धताएं कायम रहेंगी। इस पर हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने सहयोगियों जापान, ताइवान और फिलीपींस के साथ साझेदारी और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संजय लीला भंसाली की फिल्म में धनुष ने किया राम चरण को रिप्लेस

संजय लीला भंसाली की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थीं कि संजय लीला भंसाली की अगली पौराणिक जंगल ड्रामा में साउथ स्टार राम चरण प्रमुख भूमिका में नजर आ सकते हैं। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि संजय लीला भंसाली की इस फिल्म में राम चरण नहीं बल्कि, कोई और साउथ स्टार प्रमुख भूमिका में नजर आएगा।

वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, संजय लीला भंसाली के आगामी जंगल पर आधारित भव्य फिल्म में राम चरण नहीं बल्कि धनुष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। ये संजय लीला भंसाली का एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। अब धनुष को इसके लिए फाइनल कर लिया गया है। इसका निर्माण संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शंस के बैनर तले किया जाएगा, जबकि तमिल फिल्म निर्माता पी.एस. मिथ्रन इसका निर्देशन करेंगे। मिथ्रन इरुम्बु थिरई, हीरो और सरदार जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं और इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। खास बात यह है कि वो धनुष के साथ पहली बार काम करेंगे।

स्क्रिप्ट में किए गए बदलाव

रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि पी.एस. मिथ्रन 'राउडी राठौर 2' पर काम कर रहे थे, लेकिन चूंकि यह प्रोजेक्ट फाइनल नहीं हो सका, इसलिए उन्होंने कई अन्य विकल्पों पर विचार करना शुरू किया। तभी इस फिल्म की कहानी सामने आई। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि कहानी को अंतिम रूप देने में कई बार बदलाव और सुधार करने पड़े, जो कुछ महीने पहले ही हुआ था। इसी दौरान उन्होंने मुख्य अभिनेता की तलाश शुरू की। राम चरण से बातचीत चल रही थी, लेकिन बात नहीं बनी, इसलिए धनुष को चुना गया। फिल्म की शूटिंग 2027 की शुरुआत में शुरू होने की संभावना है।

थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम, एक्टर्स को ज्यादा सम्मान मिलना चाहिए

अभिनेत्री रश्मि देसाई ने थिएटर एक्टर्स की मेहनत और संघर्ष पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम है, जहां कलाकार बहुत मेहनत करते हैं लेकिन उन्हें समय पर उनका हक नहीं मिल पाता। रश्मि देसाई का कहना है कि थिएटर ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया है। उन्होंने थिएटर को एक खूबसूरत और सीखने लायक माध्यम बताया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया, 'थिएटर एक्टर्स बहुत मेहनत करते हैं। उन्हें उनका हक समय पर नहीं मिलता। वे जिस तरह का मजा करते हैं, उनका एक छोटा सा परिवार होता है और वे उसी में खुश रहते हैं। उन्हें किसी और की तारीफ की जरूरत नहीं होती। उन्हें यह सुनने की जरूरत नहीं होती कि ठीक है, यह करो, वह करो।' रश्मि ने थिएटर कलाकारों की रिस्क लेने की क्षमता की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि थिएटर एक्टर्स रिस्क लेने के लिए तैयार रहते हैं। अगर कोई गलती हो जाए या असफलता हो तो भी उनके साथी उनका हाथ थाम लेते हैं और कहते हैं कि यह वक्त भी गुजर जाएगा। रश्मि के अनुसार, थिएटर सीखने का सबसे अच्छा माध्यम है जहां हर असफलता के बाद नई शुरुआत होती है।

अभिनेत्री ने थिएटर कलाकारों के लिए ज्यादा सम्मान की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'वे ज्यादा इज्जत के हकदार हैं। लोगों को थिएटर और थिएटर एक्टर्स के बारे में और जानना चाहिए। यह काम करने के लिए बहुत खूबसूरत माध्यम है।' रश्मि देसाई ने अपने थिएटर अनुभव पर खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि उन्होंने इतने लंबे समय बाद थिएटर किया। उन्होंने वैशाली, प्रतिमा, अयूब, ओजस रावल और आसिफ पटेल जैसे सह-कलाकारों और निर्देशकों का आभार व्यक्त किया। रश्मि ने उन्हें कमाल और बेहद पॉजिटिव लोग बताया।

रश्मि देसाई का करियर साल 2006 में 'रावण' से शुरू हुआ। इसके बाद 'परी हूं मैं' में डबल रोल और 'उतरन' से उन्हें व्यापक लोकप्रियता मिली।

दादा के रोल में नजर आएंगे जैकी श्रॉफ

जैकी श्रॉफ जल्द ही फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' में नजर आएंगे। इस फिल्म में जैकी एक सुपरहीरो दादा की भूमिका निभा रहे हैं। जैकी श्रॉफ की फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' के निर्माताओं ने इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। इस फिल्म में जैकी एक सुपरहीरो दादा की भूमिका में नजर आएंगे। आज निर्माताओं ने फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया है। इसी के साथ जानकारी दी है कि 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' फिल्म इस साल 29 मई को रिलीज होगी। 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' फिल्म का निर्देशन मनीष सैनी ने किया है। इसमें प्रतीक, स्मिता पाटिल, भाग्यश्री दासानी, शरत सक्सेना, मिहिर गोडबोले और कई कलाकार भी हैं। जैकी श्रॉफ ने कहा, 'इस फिल्म के जरिए हम हर बच्चे के सपने को पूरा कर रहे हैं। अगर आपका दिल हमेशा जवान रहे और 90 साल की उम्र में भी हिम्मत बनी रहे, तो यही आपको सुपरहीरो बनाता है। बच्चों के सपनों को हमेशा सबसे पहले जगह देनी चाहिए।'

हॉलीवुड फिल्म 'बिफोर सनराइज' की वजह से 'एक दिन' को कहा हां

साउथ की दिग्गज अभिनेत्री साई पल्लवी ने आमिर खान प्रोडक्शन हाउस की फिल्म 'एक दिन' से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया है। इस फिल्म में वो आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाई नहीं कर पाई है। वहीं क्रिटिक्स से भी फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रियाएं ही हासिल हुई हैं। अब साई पल्लवी ने खुद बताया कि क्यों उन्होंने 'एक दिन' के लिए हां कहा और स्क्रिप्ट में उन्हें क्या चीज पसंद आई। आमिर खान टॉकीज के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर साई पल्लवी और जुनैद खान का एक वीडियो साझा किया गया है। इसमें दोनों कलाकार अपनी फिल्म 'एक दिन' के बारे में बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान जब जुनैद ने साई से 'एक दिन' को हां करने के फैसले के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा यकीन था कि वह यह फिल्म नहीं करेंगी, क्योंकि वह कई भाषाओं में बड़ी-बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि फिल्म का पैमाना मुझे प्रभावित नहीं करता। उस समय तक मैंने कई गंभीर फिल्में की थीं और मैं कुछ हल्का-फुल्का करना चाहती थी। ऐसी फिल्म जिसमें मुझे शूटिंग के दौरान और बाद में भी ज्यादा तनाव न झेलना पड़े। इसलिए जब स्क्रिप्ट आई, तो मुझे लगा कि यह हॉलीवुड फिल्म 'बिफोर सनराइज' जैसी होगी। क्योंकि मुझे 'बिफोर सनराइज' पसंद है और मुझे लगा कि यह भी वैसी ही होगी। फिल्म में अपनी कास्टिंग को गलत मानती हैं साई साई ने यह भी बताया कि आमिर खान का इस प्रोजेक्ट से जुड़ना फिल्म को हां कहने का एक बड़ा कारण है। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं आमिर खान के करियर को करीब से देखती आ रही हूं। इसमें अलग-अलग तरह की फिल्में और किरदार हैं। इस दौरान साई ने खुलासा किया कि शुरुआत में मुझा लगा था कि 'एक दिन' में मुझे नहीं होना चाहिए था। मेरी कास्टिंग सही नहीं है। प्रीमियर के बाद जब आमिर ने साई से कुछ कहने को कहा, तो साई ने उनसे कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं इस भूमिका के लिए बनी थी और मुझे लगता है कि मेरी कास्टिंग गलत हुई है। मुझे लगता है कि यह भूमिका किसी नई एक्ट्रेस को मिलनी चाहिए थी, जिसमें थोड़ी सी चंचलता हो। हालांकि, जुनैद ने साई के इस विचार से असहमति जताते हुए कहा कि यह भूमिका उनके लिए ही बनी है।

'द पोर्टल ऑफ फोर्स' से अंतरराष्ट्रीय सफर की शुरुआत करेंगी दिशा पाटनी

बॉलीवुड कलाकारों ने अंतरराष्ट्रीय फिल्मों और वेब सीरीज की दुनिया में अपनी खास जगह बनानी शुरू कर दी है। प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के बाद अब अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली इंटरनेशनल मूवी 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। ट्रेलर में वह एक्शन करती नजर आ रही हैं। फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' एक बड़ी काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। यह 'स्टेटिगार्ड्स वर्सेज होलीगार्ड्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की पहली मूवी है। इस कहानी को लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार किया है। फिल्म में दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में नियम और संतुलन बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग सोच और अलग रास्ते पर चलता है। इसी संघर्ष के बीच दिशा पाटनी का किरदार जेसिका सामने आता है, जो पूरी कहानी का सबसे अहम हिस्सा है। फिल्म में जेसिका को एक ऐसी लड़की के रूप में दिखाया गया है, जिसका संबंध दोनों विरोधी पक्षों से है। वह दोनों गुटों के लीडर की बेटी है। यही वजह है कि उसे दो अलग-अलग दुनियाओं के बीच एक पुल माना जा रहा है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि दुनिया का भविष्य उसी के फैसले पर निर्भर होता है। ट्रेलर में कई ऐसे सीन्स हैं, जहां जेसिका अपनी शक्तियों को समझने और उन्हें कंट्रोल करने की कोशिश करती है। उसके सामने सिर्फ दुश्मनों से लड़ने की चुनौती नहीं होती, बल्कि खुद को पहचानने और सही रास्ता चुनने की भी बड़ी जिम्मेदारी होती है। ट्रेलर में दिशा पाटनी का एक्शन अवतार सबसे ज्यादा ध्यान खींचता है। वह कई खतरनाक लड़ाई वाले सीन्स में नजर आती हैं। कभी तलवारों के साथ, तो कभी रहस्यमयी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए दिशा दिखाई देती हैं। इस फिल्म की एक और खास बात इसकी स्टार कास्ट है। दिशा पाटनी के साथ फिल्म में हॉलीवुड के कई बड़े कलाकार भी नजर आएंगे। इनमें केविन स्पेसी, डॉल्फ लुंडग्रेन और टायरेस गिब्सन जैसे नाम शामिल हैं। दिशा पाटनी ने इस फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'मैं लंबे समय से इस ट्रेलर के रिलीज होने का इंतजार कर रही थी। पहली इंटरनेशनल मूवी में काम करना मेरे लिए एक साथ रोमांचक और डराने वाला अनुभव रहा। अलग-अलग देशों के कलाकारों के साथ काम करते हुए मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।' दिशा ने कहा, ''मुझे हमेशा से एक्शन फिल्मों में काम करना पसंद रहा है। बॉलीवुड में मैंने जो अनुभव हासिल किया, अब उसे ग्लोबली दिखाने का मौका मिला है। यह मेरे करियर का बेहद खास पल है।''

बैंकॉक शिफ्ट होने पर अविका गौर ने दी प्रतिक्रिया

टीवी शो 'बालिका वधू' से लोकप्रिय होने वाली अभिनेत्री अविका गौर शादी के बाद अपने पति मिलिंद चंदवानी के साथ बैंकॉक में शिफ्ट हो गई हैं। हालांकि, उनका कहना है कि उन्होंने टेलीविजन या फिल्मों से ब्रेक नहीं लिया है। वो अपना काम करना जारी रखेंगी। उन्होंने कहा कि ये कदम मिलिंद के लिए बेहतर अवसरों को देखते हुए उठाया गया है, जबकि उनके खुद के काम के सिलसिले में मुंबई से बाहर लंबे शेड्यूल तय किए गए हैं।

हम हमेशा एक-दूसरे के करियर में साथ देते हैं

अविका गौर ने कहा कि हम बैंकॉक शिफ्ट हो गए हैं और वहां एक घर भी खरीद लिया है, जिसे मैं अपनी पसंद के हिसाब से सजा रही हूं। पिछले साल शादी से पहले सात साल तक रिलेशनशिप में रहने के दौरान कपल ने हमेशा एक-दूसरे के करियर में सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह मिलिंद ने लंबे शूटिंग शेड्यूल के दौरान उनका साथ दिया, उसी तरह वह भी उन्हें विदेश में अवसर तलाशने से रोकना नहीं चाहती थीं। हम हमेशा से एक-दूसरे की तरक्की में सहयोग करने में भरोसा रखते आए हैं। अगर मुझे कोई ऐसा प्रोजेक्ट मिलता है, जिसके लिए मुझे महीनों तक घर से दूर रहना पड़ता है, तो वह पूरी तरह से मेरा साथ देते हैं। इसी तरह मुझे नहीं लगता कि मुझे भी उनकी तरक्की में बाधा डालनी चाहिए।

मैं अपने काम की वजह से यहां हूं

अपने करियर को लेकर जताई जा रही चिंताओं को दूर करते हुए अविका ने कहा कि जगह बदलने से उनकी प्रोफेशनल प्रियॉरिटीज में कोई बदलाव नहीं आया है। मुंबई में रहते हुए भी वह अक्सर शूटिंग के लिए हैदराबाद, राजमुंद्री और विशाखापत्तनम जैसे शहरों का सफर करती रहती थीं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे एहसास हुआ कि जरूरी नहीं कि मुंबई ही मेरा ठिकाना हो। मैं काम के सिलसिले में नियमित रूप से भारत आती-जाती रहती हूं। मेरी प्राथमिकता हमेशा मेरी प्रतिबद्धताएं रहेंगी क्योंकि इन्हीं की वजह से मैं आज इस मुकाम पर हूं।

दोस्तों ने किया समर्थन

अविका ने इस कदम के कारण प्रोजेक्ट छूटने की चिंताओं को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि काम आमतौर पर उनके शेड्यूल के अनुसार ही होता है और सहयोग आपसी प्रयासों पर निर्भर करता है। जब कोई मेरे साथ काम करना चाहता है, तो उसे यह प्रयास करना चाहिए। इंडस्ट्री के मेरे साथियों ने भी मेरे इस फैसले का समर्थन किया है। एक्ट्रेस ने कहा कि भले ही मेरा ठिकाना अब विदेश में है, लेकिन मेरी जड़ें भारत में ही मजबूती से टिकी हैं।

'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आएंगी अविका

वर्कफ्रंट की बात करें तो अविका गौर जल्द ही 'खतरों के खिलाड़ी' के नए सीजन में नजर आएंगी। जल्द ही इस रियलिटी शो की शूटिंग भी शुरू होने वाली है। इस शो को एक बार फिर निर्देशक रोहित शेट्टी ही होस्ट करेंगे।

एक नजर

गंगोत्री धाम में गैस सिलिंडर की किल्लत

उत्तरकाशी। नीट पेपर लीक मामले को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी उत्तरकाशी ने हनुमान मंदिर पार्क में बैठक आयोजित कर केंद्र सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई। कांग्रेसियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बैठक में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों से देश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। मेहनत और ईमानदारी से पढ़ाई करने वाले छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। युवाओं का भरोसा व्यवस्था से उठता जा रहा है, जो बेहद चिंताजनक स्थिति है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मांग की कि नीट पेपर लीक मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। जिलाध्यक्ष प्रदीप रावत ने कहा कि यदि इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस आंदोलन को और व्यापक रूप देगी। कार्यक्रम में कनकपाल सिंह परमार, कमल सिंह रावत, दिवाकर भट्ट, मनीष राणा, विजेंद्र नौटियाल, विपिन नौटियाल, सुधीश पंवार, नैन सिंह बिष्ट, सूर्य बल्लभ नौटियाल, सूरज रावत, सुरेन्द्रपाल और मनोज राही आदि मौजूद रहे।

पीएम की अपील का असर, अब ऑनलाइन होगी गढ़वाल विवि की बैठकें

श्रीनगर गढ़वाल : प्रधानमंत्री की पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने की अपील पर विवि ने अमल करना शुरू कर दिया है। इसको देखते हुए विवि ने ऑनलाइन बैठकों पर जोर देना शुरू कर दिया है। विभिन्न कमेटियों में विवि मुख्यालय से बाहर के सदस्यों को बैठकों में ऑनलाइन जोड़ा जाएगा। इससे समय के साथ ही विवि का खर्च व ईंधन की बचत भी होगी। दूसरी ओर विवि ने ईंधन की बचत करने के लिए कार पुलिंग व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू कर दिया है।

विवि के कुलसचिव प्रो. वाईपी रैवानी ने बताया कि अब विवि में विद्या परिषद, कार्य परिषद, प्रवेश समिति व अन्य महत्वपूर्ण बैठकें ऑनलाइन संचालित की जाएंगी। हालांकि कुछ अधिकारी-कर्मचारी जो बैठक स्थल के आसपास कार्यरत या निवासरत हों वह जरूरत के हिसाब से ऑफलाइन माध्यम से भी बैठक में मौजूद रह सकेंगे। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री द्वारा की गई ईंधन खपत कम करने अपील को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इससे विवि का खर्चा भी बचेगा। हालांकि विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश के निर्देशों पर पांच माह पहले ही खर्चों में कटौती के लिए कार पुलिंग पर जोर दिया गया था। इसके तहत पौड़ी, टिहरी परिसरों से विवि मुख्यालय में आने वाले शिक्षकों-कर्मचारियों को एक ही वाहन से आने-जाने के निर्देश दिए गए थे। (एजेंसी)

गढ़वाल विवि बनायेगा मीडिया पॉलिसी, कमेटी गठित

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि की अपनी मीडिया पॉलिसी बनेगी। इसके लिए विवि ने छः सदस्यीय कमेटी का गठन किया है, जिसमें प्रो. महावीर सिंह नेगी को संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रो. नेगी ने बताया कि देश के अन्य विश्वविद्यालयों की अपनी-अपनी मीडिया पॉलिसी है। इसी के तहत गढ़वाल विवि भी अपनी मीडिया पॉलिसी बना रहा है। सोशल मीडिया पर गैर जरूरी सूचनाओं के आदान-प्रदान पर नियंत्रण और मीडिया तक विवि की सही सूचनाएं पहुंचे इसका उद्देश्य है। कहा कि जल्द इस संदर्भ में कमेटी की बैठक होगी। मीडिया पॉलिसी के लिए सुझाव भी मांगें जाएंगे। (एजेंसी)

आज होगी बैठक, बढ़ सकते है आंचल दूध के दाम

श्रीनगर गढ़वाल : निजी डेयरी कंपनियों की ओर से दूध और दुग्ध उत्पादों के दामों में की गई बढ़ोतरी के बाद अब सरकारी डेयरी आंचल भी अपनी कीमतों में संशोधन करने जा रहा है। श्रीनगर आंचल डेयरी के दामों में होने वाली इस वृद्धि को लेकर 15 मई शुक्रवार को डेयरी कार्यालय में एक बैठक बुलाई गई है। इस दौरान दूध के दाम में 1 रुपये प्रति लीटर तक में वृद्धि हो सकती है। दुग्ध संघ के प्रधान प्रबंधक श्रवण कुमार शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को होने वाली इस उच्च स्तरीय बैठक में विपणन प्रभारी, विपणन स्टाफ, वित्त विभाग और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहेंगे। इसमें नई दरों पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। (एजेंसी)

बगैर मान्यता स्कूल का संचालन विभाग ने बंद कराया

नई टिहरी। प्रतापनगर ब्लॉक के ओखलाखाल में वर्ष 2021 से संचालित मर्सी ऑफ गॉड एकेडमी प्राथमिक स्कूल को शिक्षा विभाग के नोटिस के बाद बंद कर दिया गया है। स्कूल की कोई मान्यता नहीं होने के कारण बीईओ पूनम चौहान ने उन्हें मान्यता लेने के निर्देश दिए थे लेकिन विद्यालय प्रबंधन नियमों को ताक में रखकर स्कूल का संचालन कर छात्रों को टीसी प्रमाणपत्र भी निर्गत कर उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा था। बीईओ ने स्कूल प्रबंधक रोबिना को जारी किए नोटिस में कहा कि स्कूल बिना मान्यता के संचालित होने के कारण बच्चों का पंजीकरण यू-डायस पोर्टल पर न होने से उनका भविष्य अंधकार में धकेला जा रहा है। बीईओ ने स्कूल प्रबंधन को 21 अप्रैल को नोटिस जारी करते हुए मान्यता नहीं होने की स्थिति में अनाधिकृत रूप से संचालित स्कूल बंद को करने के निर्देश दिए। प्रबंधन को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि बिना मान्यता के संचालित स्कूल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आरटीई अधिनियम के तहत एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा और उल्लंघन जारी रहने पर 10 हजार रुपये प्रतिदिन अर्थदंड वसूलने के लिए विधिक कार्यवाही की चेतावनी गई थी। नोटिस मिलने के बाद प्रबंधन ने स्कूल का संचालन बंद कर दिया है। इस बाबत प्रतापनगर की बीईओ पूनम चौहान का कहना कि स्कूल का संचालन बंद कर दिया गया है, वहां पढ़ रहे छात्रों को नजदीकी स्कूल में शिफ्ट कर दिया गया है।

भाजयुमो ने तमिलनाडु में विपक्ष के नेता स्टालिन का पुतला फूंका

नई टिहरी। भाजयुमो ने तमिलनाडु में विपक्ष के नेता उदय निधि स्टालिन के खिलाफ प्रदर्शन कर उनका पुतला दहन किया। उन्होंने स्टालिन पर सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयान देकर हिंदुओं की भावना को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया है। जिला मुख्यालय में भाजयुमो जिलाध्यक्ष मनीष राणा के नेतृत्व में यहां हनुमान चौक पहुंचे कार्यकर्ताओं ने तमिलनाडु में विपक्ष के नेता स्टालिन के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया।

प्रत्येक विकासखण्ड में विकसित होंगे आदर्श कृषि एवं उद्यान गांव

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में आयोजित उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि राज्य के प्रत्येक विकासखण्ड से एक-एक गांव का चयन कर उसे कृषि एवं उद्यान के क्षेत्र में आदर्श गांव के रूप में विकसित किया जाए, ताकि स्थानीय संसाधनों, पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक कृषि पद्धतियों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवायु, भूमि की गुणवत्ता और स्थानीय आवश्यकताओं का अध्ययन करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि किस क्षेत्र में कौन-से फल, सब्जियां अथवा अन्य कृषि उत्पाद अधिक बेहतर ढंग से विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र विशेष की विशेषताओं के अनुरूप योजनाबद्ध कार्य कर राज्य को कृषि और बागवानी के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई जा सकती है। मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड को आगामी तीन वर्षों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी योजनाओं में किसानों के हित सर्वोपरि होने चाहिए। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादन बढ़ाने, खेती की लागत कम करने और

किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोविन्द बल्लभ पंत, कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर तथा अन्य संस्थानों के सहयोग से प्रदेशभर में किसानों के लिए बड़े स्तर पर कृषि गोष्ठियों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, बेहतर खेती के तरीकों तथा उच्च गुणवत्ता वाले पौध, बीज और खाद उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से तिलहनी फसलों जैसे सरसों, तिल, सूरजमुखी, सोयाबीन के उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को इन फसलों के प्रति जागरूक किया जाए, जिससे कृषि विविधीकरण को बढ़ावा मिले और किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त हो। बैठक में उत्तराखण्ड मंडी परिषद के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार डब्बू, सचिव डॉ. एस.एन. पाण्डेय, अपर सचिव बंशीधर तिवारी आदि मौजूद थे।

संस्कृति सचिव पंत ने किया नक्षत्र वेधशाला का निरीक्षण

श्रीनगर गढ़वाल : राज्य संस्कृति सचिव युगल किशोर पंत ने ज्ञान भारतम मिशन के क्लस्टर केंद्र नक्षत्र वेधशाला, देवप्रयाग का भ्रमण कर यहां संचालित पांडुलिपि संरक्षण एवं डिजिटलाइजेशन कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पांडुलिपि प्रयोगशाला, पुस्तकालय एवं संग्रहालय का भी अवलोकन किया।

संस्कृति सचिव युगल किशोर पंत ने कहा कि देश का प्राचीन ज्ञान हमारी पांडुलिपियों में संरक्षित है, जिन्हें सुरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ज्ञान भारतम मिशन के अंतर्गत उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में पांडुलिपियों के सर्वे का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने पांडुलिपियों की इस अमूल्य धरोहर को संरक्षित करने में सभी लोगों के सहयोग को जरूरी बताया। इस अवसर पर उनके साथ पहुंचे निदेशक राज्य अभिलेखागार, उत्तराखंड शेखर प्रकाश पटवा ने बताया कि आगामी 15 जून तक पूरे प्रदेश में पांडुलिपियों के सर्वे का कार्य चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत निजी संस्थाओं, मठ-मंदिरों, शिक्षण संस्थानों तथा व्यक्तिगत रूप से संरक्षित पांडुलिपियों की खोज की जा रही है। इस मौके पर डॉ. प्रभाकर जोशी, मोनिका भट्ट, आचार्य भास्कर जोशी, मौलिक, भूपेंद्र भट्ट, प्रकृति कोटियाल एवं सृष्टि सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। (एजेंसी)

तीर्थ पुरोहितों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर किया पिंडदान व तर्पण

चमोली। ब्रह्मकपाल में ऑनलाइन पूजा के नाम पर ठगी के विरोध में ब्रह्मकपाल में तीर्थ पुरोहितों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध जताया और पिंडदान व तर्पण कार्य किए। उन्होंने चेतावनी दी यदि जल्द इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं की गई तो बदरीनाथ धाम में आंदोलन किया जाएगा। ब्रह्मकपाल तीर्थ के नाम पर कुछ लोग ऑनलाइन ठगी कर रहे हैं। एआई से वीडियो तैयार कर ब्रह्मकपाल में पितरों के नाम पर पूजा कराने की बात कहते हुए लोगों से बुकिंग कराने को कहा जा रहा है। तीर्थ पुरोहितों ने इस मामले में पुलिस महानिदेशक, पुलिस अधीक्षक चमोली व थाना बदरीनाथ को लिखित में शिकायत दी थी लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर तीर्थ पुरोहितों में नाराजगी है। ब्रह्मकपाल तीर्थ पुरोहित पंचायत समिति के अध्यक्ष उमेश सती, संजय हटवाल, मदन कोठियाल व सुरेश हटवाल ने बताया कि ऑनलाइन ठगी के साथ कुछ असामाजिक तत्व तप्तकुंड व गांधी घाट के आसपास तीर्थयात्रियों से कर्मकांड करा रहे हैं। इसके विरोध में बृहस्पतिवार से तीर्थ पुरोहित बांह पर काली पट्टी बांधकर कार्य करने के लिए मजबूर हैं। जल्द इस मामले में उचित कार्रवाई न की गई तो आंदोलन किया जाएगा।

ब्रह्मकपाल क्षेत्र का है बड़ा धार्मिक महत्वः ब्रह्मकपाल क्षेत्र में पिंडदान का खास महत्व है।

बुके नहीं, अब बुक से करेंगे सम्मान

चमोली।चमोली जिले में शिक्षा विभाग ने कार्यक्रमों में सम्मान देने की परंपरा में बदलाव करते हुए बुके नही, बुक अभियान शुरू किया है। अब शिक्षा विभाग के सम्मान समारोह, प्रतियोगिताओं, बैठकों और अन्य आयोजनों में अतिथियों को फूलों के बुके की जगह पुस्तकें भेंटकर सम्मानित किया जाएगा। मुख्य शिक्षा अधिकारी आकाश सारस्वत ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य शिक्षकों और अधिकारियों में पुस्तकालय संस्कृति को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षक और अधिकारी नियमित रूप से पुस्तकों का अध्ययन करेंगे तो उसका सकारात्मक लाभ छात्र-छात्राओं को भी मिलेगा। सीईओ ने इस संबंध में जिले के सभी खंड शिक्षा अधिकारियों और उपखंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

बदरीनाथ में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

– बदरीनाथ की पौराणिकता और सनातन परंपराओं पर हुआ मंथन

चमोली। बदरीनाथ धाम में बृहस्पतिवार से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हो गया है। सम्मेलन में देशभर से पहुंचे विद्वानों, शोधार्थियों और संतों ने बदरीकाश्रम की आध्यात्मिक परंपराओं, पौराणिक महत्व और भारतीय ज्ञान परंपरा पर विस्तार से चर्चा की।

उत्तराखंड संस्कृत विवि, केंद्रीय संस्कृत विवि जनकपुरी दिल्ली, केंद्रीय संस्कृत विवि देवप्रयाग और सोबन सिंह जीना विवि की ओर से आयोजित सम्मेलन का विषय भारतीय ज्ञान परंपरा : दिव्य भूमि बदरीकाश्रम रखा गया है। सम्मेलन में 22 राज्यों से आए 450 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं जिनमें शोधार्थी, प्रोफेसर और संस्कृत विद्वान शामिल हैं। सम्मेलन का उद्घाटन उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाकांत पांडेय, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय देवप्रयाग के निदेशक प्रो. पीवीबी सुब्रह्मण्यम, बदरीनाथ के धर्माधिकारी आचार्य स्वयंवर सेमवाल और योगी बालकनाथ ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य वक्ता चारधाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत के महासचिव डॉ. बृजेश सती ने कहा कि बदरीनाथ धाम केवल एक तीर्थ नहीं बल्कि भारतीय सनातन संस्कृति, तप और ज्ञान की जीवंत धारा है। आदि गुरु शंकराचार्य ने जिस आध्यात्मिक चेतना को बदरीकाश्रम से पुनर्जीवित किया वही आज भी देश-दुनिया के श्रद्धालुओं को यहां तक खींच लाती है।

टिहरी में मंत्री भरत सिंह चौधरी का भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

नई टिहरी। प्रदेश के ग्राम्य विकास, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम , खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री भरत सिंह चौधरी के प्रथम टिहरी भ्रमण के दौरान भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। भाजपा जिला कार्यालय टिहरी पहुंचने पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मंत्री चौधरी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर मंत्री चौधरी ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की मजबूती एवं जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सभी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की उपलब्धियों एवं योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह किया। मंत्री जी ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयासों एवं संगठन की मजबूती से आगामी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी पुनः प्रदेश

में भारी बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष इशिता सजवान, विधायक टिहरी किशोर उपाध्याय, विधायक घनसाली शक्ति लाल शाह,राज्यमंत्री खेम सिंह चौहान, जिलाध्यक्ष उदय रावत सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनसमस्याओं का समाधान नहीं होने पर बीडीसी बैठक में हंगामा

चमोली। क्षेत्र पंचायत पोखरी की त्रैमासिक बैठक में जनप्रतिनिधियों ने जनसमस्याओं का समाधान नहीं होने पर जमकर हंगामा किया और अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया।

सीडीओ ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि बैठक में आए सभी मुद्दे जनता से सीधे जुड़े हुए हैं और इनका समय पर समाधान सुनिश्चित करें। साथ ही लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी। बृहस्पतिवार को ब्लॉक सभागार में ब्लॉक प्रमुख राजी देवी की अध्यक्षता में बैठक हुई। जनप्रतिनिधियों ने सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पानी व कृषि से जुड़ी समस्याओं को उठाया। सबसे ज्यादा मामले लोनिवि और पीएमजीएसवाई से जुड़े रहे। सड़कों की बदहाली व अधूरे निर्माण पर जनप्रतिनिधियों ने हंगामा किया तो सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। आली के प्रधान विनोद आगरी ने आली-जिलासू सड़क लंबे समय से बाधित होने, भदूड़ा के प्रधान राकेश रावत ने पोखरी-हापला-गोपेश्वर सड़क और पोखरी-शरणाचाई-त्रिशूला सड़क की जर्जर स्थिति, किमोठा के प्रधान हरिकृष्ण किमोठी ने 2017 से निर्माणाधीन जौरासी-तोणजी सड़क की धीमी प्रगति का मुद्दा उठाया। जिला पंचायत सदस्य वीरेंद्र राणा ने रुद्रप्रयाग-पोखरी-गोपेश्वर सड़क के गुनियाला, नारी गदेरा, बंगथल में अधूरे पुश्ते व कॉजवे और पोखरी-वल्ली-हरिशंकर सड़क की बदहाली का मुद्दा उठाया। बीडीसी सदस्य कुलदीप राणा ने क्षेत्र पंचायत निधि से कराए गए कार्यों का भुगतान लंबित होने आदि का मुद्दा उठाया। सीडीओ ने सभी मुद्दों के समय से समाधान के निर्देश दिए।

आपूर्ति नहीं होने के कारण व्यवसायी और साधु संत परेशान

उत्तरकाशी। गंगोत्री धाम में रसोई गैस और व्यावसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति नहीं होने के कारण व्यापारियों सहित व्यवसायियों व साधु संतों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि यात्रियों को डीजल से संचालित स्टोव आदि में भोजन बनाकर देना पड़ रहा है। इसमें समय अधिक लगने के कारण कई बार यात्री बिना खाए ही जा रहे हैं।

प्रशासन की ओर से अभी तक वहां पर आपूर्ति को सुचारू रखने के लिए किसी प्रकार के कदम नहीं उठा रहे हैं। गंगोत्री व्यापार मंडल व होटल एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी सतेंद्र सेमवाल, जयपाल रावत, जसपाल पंवार आदि का कहना है कि धाम में हर दिन दर्शन के लिए पंद्रह हजार से अधिक यात्री पहुंच रहे हैं। साथ ही रात्री में भी अच्छी संख्या में श्रद्धालु धाम में रुक रहे हैं लेकिन गंगोत्री में रसोई गैस और व्यवसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति न होने के कारण व्यवसायियों सहित वहां पर निवासरत साधु संतों सहित स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि डीजल से संचालित स्टोव आदि पर भोजन बनाने के लिए मजबूर हैं। साथ ही डीजल को लाने के लिए उन्हें जनपद मुख्यालय तक करीब सौ किमी की दूरी नापनी पड़ रही है। एक बार एक एजेंसी की ओर से रसोई गैस लाई गई तो उसमें संख्या बहुत कम होने के कारण कुछ लोगों को ही मिल पाया था। जिला पूर्ति अधिकारी आशीष कुमार का कहना है कि धाम में दो बार भारत गैस एजेंसी की गाड़ी भेजी गई थी। प्रयास किया जाएगा कि जल्द ही अन्य एजेंसी की गैस भी भेजी जाएगी।

जिलाधिकारी ने बच्चों और अभिभावकों से किया सीधा संवाद

उत्तरकाशी(। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत कमजोर वर्ग के बच्चों को बेहतर शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय सभागार में संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में विकासखंड भटवाड़ी के बच्चों और उनके अभिभावकों से सीधा संवाद किया गया। डीएम ने विकासखंड भटवाड़ी के 23 आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को जरूरी शिक्षण सामग्री वितरित की। कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षिक सत्र 2026-27 में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वागत करना और उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना था। जिलाधिकारी ने अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक रहने और उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। डीएम प्रशांत आर्य ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम का लाभ हर पात्र बच्चे तक पारदर्शिता के साथ पहुंचे।

मौसम की बेरुखी ने तोड़ी सेब काश्तकारों की उम्मीद

उत्तरकाशी। रवांई घाटी में इस वर्ष मौसम की बेरुखी ने सेब काश्तकारों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। पहले सूखे और बर्फबारी की कमी ने फसल को प्रभावित किया। वहीं बाद में हुई ओलावृष्टि और लगातार बारिश ने उम्मीदें भी तोड़ दी। सेब के दानों पर पड़े ओलों के गहरे निशानों के कारण काश्तकारों को अच्छे दाम मिलने की संभावना भी धूमिल हो गई है। इस वर्ष सेब के बगीचों में पर्याप्त बर्फबारी नहीं हुई जिससे चिलिंग आवर्स की कमी बनी रही।

अप्रैल में फ्लावरिंग का पीक समय होता है जब मधुमक्खियां परागण कर बेहतर उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है लेकिन इसी दौरान हुई बारिश और ओलावृष्टि से परागण धुल गया और बड़ी संख्या में फूल झड़ गए। रवांई घाटी के नौगांव, पुरोला और मोरी ब्लॉक में हर वर्ष करीब 25 हजार मीट्रिक टन सेब का उत्पादन होता है। यहां सैकड़ों परिवारों की आजीविका पूरी तरह सेब की खेती पर निर्भर है लेकिन इस बार मौसम की मार से काश्तकारों के लिए बगीचों में खाद, दवाई और रखरखाव पर सालभर किए गए खर्च की भरपाई करना भी मुश्किल हो गया है। छोटे काश्तकारों ने तो फसल से लगभग उम्मीद छोड़ दी है। कई किसानों का कहना है कि यदि इस बार अपने खाने लायक सेब भी हो जाए तो वही बड़ी बात होगी। देवराना घाटी फल एवं सब्जी उत्पादक एसोसिएशन के अध्यक्ष जयेंद्र सिंह राणा ने कहा कि मौसम में लगातार आ रहे बदलाव और प्राकृतिक आपदाओं के कारण सेब उत्पादन में गिरावट दर्ज की जा रही है। उन्होंने इसे भविष्य के लिए चिंताजनक संकेत बताते हुए सरकार से काश्तकारों के हित में ठोस कदम उठाने की मांग की है।

टिहरी बांध प्रभावितों को दो दशक बाद भी पुल निर्माण का इंतजार

उत्तरकाशी। टिहरी बांध परियोजना ने देश को बिजली, सिंचाई और पेयजल की बड़ी सौगात दी लेकिन बांध प्रभावित गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। भागीरथी नदी पर बना ऐतिहासिक छाम पुल वर्ष 2005 में टिहरी झील में समा गया था। इसके बाद से टिहरी और उत्तरकाशी जनपद के करीब 40 गांवों का सीधा संपर्क टूट गया लेकिन दो दशक बीतने के बाद भी कंडीसौड़झबल्डोगी पुल का निर्माण शुरू नहीं हो पाया है। छाम पुल कभी क्षेत्र की जीवनरेखा माना जाता था। इसके जरिए लोग कुछ ही मिनटों में नदी पार कर लेते थे, लेकिन पुल डूबने के बाद अब ग्रामीणों को चिन्यालीसौड़ होकर करीब 40 किलोमीटर अतिरिक्त सफर तय करना पड़ रहा है। इससे समय और परिवहन खर्च दोनों कई गुना बढ़ गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पुल के टूटने से केवल रास्ते नहीं, बल्कि सामाजिक रिश्ते और आर्थिक गतिविधियां भी प्रभावित हुई हैं। पहले

शादियों, मेलों और पारिवारिक आयोजनों में गांवों के बीच लगातार मेलजोल बना रहता था लेकिन दूरी बढ़ने से सामाजिक संपर्क कमजोर पड़ गया है। वहीं, छाम बाजार के जलमग्न होने से स्थानीय व्यापार भी लगभग समाप्त हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि झील पार कराने के लिए शुरू की गई नाव सेवा भी व्यवहारिक साबित नहीं हुई। ऐसे में स्थायी पुल ही एकमात्र समाधान है। तकनीकी कारणों से पुल की लागत करीब 150 करोड़ रुपये आंकी गई है लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि इतने बड़े राज्य बजट में यह राशि कोई बड़ी बाधा नहीं होनी चाहिए। हालांकि चुनावों में लगातार आश्वासन मिलते रहे हैं लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया। ब्लॉक प्रमुख थौलधार सुरेंद्र भंडारी, चिन्यालीसौड़ ब्लॉक प्रमुख रणवीर सिंह महंत, जिला पंचायत अध्यक्ष टिहरी इशिता सजवाण का कहना है कि सरकार को इस दिशा में ठोस निर्णय लेने की जरूरत है।

गैरसैण स्थाई राजधानी की मांग को धरना

देहरादून। सामाजिक कार्यकर्ता मनमोहन शर्मा ने गैरसैण स्थाई राजधानी की मांग को लेकर धरना और क्रमिक अनशन शुरू किया। उन्होंने प्रदेश सरकार को स्थाई राजधानी मुद्दे पर घेरा। कहा कि सरकार के आश्वासन के बाद भी स्थाई राजधानी नहीं बन सकी है। गुरुवार को गैरसैंण (भराड़ीसैंण) को स्थायी राजधानी बनाने की मांग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता मनमोहन शर्मा एकता विहार में क्रमिक अनशन और धरने पर बैठ गए हैं। मन मोहन शर्मा ने कहा कि राज्य गठन के इतने वर्षों बाद भी पहाड़ की राजधानी को लेकर सरकारों का रुख उदासीन रहा है।कहा कि जब तक राजधानी पूर्ण रूप से पहाड़ों में स्थापित नही होगी, तब तक पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन और बुनियादी सुविधाओं का अभाव खत्म नही होगा।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी सीएसके

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम शुक्रवार को अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला करेगी। सुपर जायंट्स की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसका प्रयास इस मैच में जीत के साथ ही अपने सत्र का समापन करना रहेगा। दूसरी ओर सीएसके के लिए ये मैच बेहद अहम है। उसे अपने प्लेऑफ की उम्मींदें बनाये रखने ये मैच हर हाल में जीतना होगा।

सीएसके के अभी 11 मैचों में 12 अंक लेकर 5वें स्थान पर है और उसे प्लेऑफ के लिए अपने सभी बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 7 मुकाबले हुए हैं। इसमें से तीन सुपर जायंट्स ने जबकि इतने ही सीएसके ने जीते हैं।

कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की सीएसके के पास संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस जैसे बल्लेबाज हैं। सैमसन ने अब तक इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और सीएसक को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। टीम के पास गेंदबाजी में अंशुल कंबोज के अलावा नूर अहमद जैसे स्पिनर है। टीम को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखा जाये तो सीएसके जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

वहीं ऋषभ पंत की कप्तानी में उतर रही सुपर जायंट्स का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल तीन मैच जीतकर 6 अंक हासिल कर पायी है। टीम में निरंतरता की कमी

नजर आयी है। उसकी बल्लेबाजी बेहद खराब रही है। गेंदबाजी में केवल युवा प्रिंस यादव ही प्रभावित कर पाये हैं। अन्य गेंदबाजों का प्रदर्शन खराब रहा है। यहां तक की अनुभवी मोहम्मद शमी भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं।

टीम इस प्रकार है

लखनऊ सुपर जायंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), मिचेल मार्श, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, एडेन मार्करम, अक्षत रघुवंशी, हिम्मत सिंह, शाहबाज अहमद, मोहम्मद शमी, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव, इम्पैक्ट प्लेयर- आवेश खान

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान) संजू सैमसन (विकेटकीपर), (कप्तान), उर्विल पटेल, कार्तिक शर्मा, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, अकील होसेन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, मैट हेनरी/स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, इम्पैक्ट प्लेयर- प्रशांत वीर

सिंधू और लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन के क्वार्टर फाइनल में, श्रीकांत बाहर

बैंकाक (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन बृहस्पतिवार को यहां सीधे गेम में जीत के साथ पांच लाख डॉलर इनामी राशि के थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और छठी वरीयता प्राप्त सिंधू ने महिला एकल के दूसरे दौर में 28 मिनट के भीतर डेनमार्क की अमेली शूल्ज को 21-13, 21-15 से हराया। सातवीं वरीयता प्राप्त सेन ने चीन के झू शुआन चेन को 21-12, 21-13 से मात दी। सिंधू का सामना अब शीर्ष वरीयता प्राप्त तीसरी रैंकिंग वाली जापान की अकाने यामागुची से होगा।

वहीं सेन दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुंलावुत वितिदसर्न के बीच होने वाले मैच के विजेता से खेलेंगे। पुरूष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी अंतिम आठ में पहुंच गए। उन्होंने मलेशिया के ब्रायन जेरेमी और मुहम्मद हाइकल को 21-12, 21-19 से मात दी। अब उनका सामना छठी वरीयता प्राप्त जापान के ताकुमी नोमूरा और युइची शिमोगामी से होगा।

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत चीनी ताइपै के दुनिया के 47वें नंबर के खिलाड़ी सू ली यांग के खिलाफ कड़े मुकाबले में एक घंटा 10 मिनट में 16-21, 21-11, 18-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इस साल थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाली देविका सिहाग को थाईलैंड की पिचामोन ओपात्निपुत ने 23-21, 21-11 से मात दी।

विराट ऑरेंज कैप की दौर में तीसरे नंबर पर भुवनेश्वर पर्पल कैप की दौड़ में नंबर एक पर पहुंचे

रायपुर (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के बीच हुए मुकाबले के बाद एक बार फिर ऑरेंज और पर्पल कैप दावेदारों में बदलाव आया है। केकेआर के खिलाफ शतकीय पारी खेलकर आरसीबी के विराट कोहली एक बार फिर ऑरेंज कैप की दौड़ में तीसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में भी आरसीबी के ही भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर पहुंच गये हैं। विराट ने केकेआर के खिलाफ नाबाद 105 रनों की तेज पारी खेली। यह कोहली के आईपीएल करियर का नौवां शतक था, जिसने उन्हें ऑरेंज कैप तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया। वहीं, गेंदबाजी सूची में सनराइजर्स हैदराबाद के अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 22 विकेटों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए हैं, जिससे पर्पल कैप की दौड़ भी तेज हो गई है।

विराट के अब इस सत्र की 12 पारियों में अब तक कुल 484 रन हो गये हैं। उन्होंने यह रन 165.75 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से बनाए हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का दिखाते हैहै। इस पारी ने उन्हें सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरा स्थान दिलाया है, जिससे ऑरेंज कैप जीतने की उनकी उम्मीदें और बढ़ गई हैं। ऑरेंज कैप की दौड़ अब बेहद रोमांचक हो गई है। विराट के आगे अब केवल दो बल्लेबाज सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन, जिन्होंने 508 रन बनाए हैं, और गुजरात टाइटंस के बी साई सुदर्शन, जिनके खाते में 501 रन दर्ज हैं। वहीं चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 481 रनों के साथ मौजूद हैं, जबकि दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान केएल राहुल 477 रनों के साथ पांचवें नंबर पर हैं। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल भी 467 रनों के साथ दावेदारों में बने हुए हैं, जिससे आगामी मैच और भी दिलचस्प हो गए हैं। वहीं गेंदबाजी में पर्पल कैप की दौड़ भी रोमांचक हो गयी है। भुवनेश्वर केकेआर के खिलाफ एक विकेट लेने के बाद 22 विकेट लेकर नंबर एक पर पहुंच गये हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ दिया है, जिनके 21 विकेट हैं। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के युवा अंशुल कम्बोज 19 विकेटों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव, गुजरात टाइटंस के राशिद खान, केकेआर के कार्तिक त्यागी और सनराइजर्स हैदराबाद के इशान मलिंगा सभी 16-16 विकेटों के साथ चौथे स्थान पर संयुक्त रूप से काबिज हैं।

आरसीबी से हार के साथ ही केकेआर के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें समाप्त हुईं

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में अच्छा नहीं रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 11 वें मुकाबले में हार के साथ ही टीम के प्लेऑफ में पहुंची की बची हुई संभावनाएं भी समाप्त हो गयी हैं। केकेआर अभी टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर फिसल गयी है।

अभी के हालातों को देखते हुए केकेआर की कोई संभावना नहीं बची है। टीम ने अब तक खेले गए 11 मैचों में से चार जीते हैं और एक का परिणाम नहीं निकला। इस प्रकार उसके केवल 9 अंक हैं। वहीं लीग स्तर में अब उसे केवल तीन मैच खेलने हैं। वहीं प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कुल 16 अंकों की जरूरत होती है। केवल कुछ अवसरों पर ही 14 अंक में प्लेऑफ की संभावना बन सकती है पर ये तभी होगा जब शीर्ष चार टीमों में से कोई भी 16 अंक तक न पहुंचे। केकेआर अपने बचे हुए तीनों मैच जीत भी लेती है, तो उनके कुल अंक केवल 15 ही हो पाएंगे। यह

आंकड़ा प्लेऑफ की दौड़ में शामिल कई अन्य टीमों के संभावित अंकों से काफी कम है।

केकेआर के लिए सबसे बड़ी चुनौती अंक तालिका में उनसे ऊपर मौजूद टीमों का प्रदर्शन है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के पहले ही 16-16 अंक हो गये हैं। इनके अलावा, सनराइजर्स हैदराबाद 12 मैचों में 14 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है और उसे अभी दो मैच खेलने हैं। दोनों मैच जीतने पर वह 18 अंकों तक पहुंच सकती है। पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है और उसके पास तीन मैच बचे हैं, जिससे वह 19 अंकों तक जा सकती है। इसी तरह, चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स भी दौड़ में बनी हुई हैं। दोनों टीमों के पास 12-12 अंक हैं और उन्हें अभी तीन-तीन मैच खेलने हैं। ये दोनों टीमें भी अपने सभी बचे हुए मैच जीतकर 18 अंकों के आंकड़े तक पहुंच सकती हैं। दिल्ली कैपिटल्स भी इस दौड़ में शामिल है पर उसे भी हर मैच जीतना होगा। इससे साफ है कि केकेआर, अपने अधिकतम 15 अंकों के साथ, इन प्रतिस्पर्धी टीमों के बीच टिके नहीं रह सकती क्योंकि अन्य सभी 16 या उससे अधिक अंक हासिल कर सकती हैं।

आईपीएल में पिछले छह सत्र से असफल रहे हैं शाहरुख

मुम्बई ।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कुछ ऐसे भी खिलाड़ी रहे जो हर सत्र में असफल होने के बाद भी करोड़ों की कमाई करने में सफल रहे हैं।ऐसे ही एक खिलाड़ी है। तमिलनाडु की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले शाहरुख खान। पिछली छह आईपीएल सत्र में शाहरुख ने अलग-अलग फ्रैंचाइजियों की ओर से खेला है पर एक बार भी वह सफल नहीं हुए हैं।इस प्रकार देखा जाये तो पिछले छह सालों में फ्रेंचाइजी टीमों ने इस खिलाड़ी पर 38 करोड़ रुपये से अधिक लुटा दिये हैं पर परिणाम शून्य रहा है।बल्ले और गेंद से उनका प्रदर्शन अब तक उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया है।इस सत्र में भी वह गुजरात टाइटंस की ओर से 9 मैचो में 130.30 की स्ट्राइक रेट से केवल 43 रन बना पाये हैं।इस क्रिकेटर को घरेलू क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन गेंदबाजी के लिए एक बेहतरीन फिनिशर के तौर पर जाना जाता था।100 से अधिक टी20 मुकाबलों में निचले क्रम में तेज रन बनाने की क्षमता ने उन्हें आईपीएल फ्रेंचाइजियों की नजरों में ला दिया।सबसे पहले साल 2021 में पंजाब किंग्स ने उन्हें 5.25 करोड़ रुपये में खरीदा पर उनका सत्र सामान्य रहा।पंजाब किंग्स ने उन्हें 2022 और 2023 सीजन के लिए 9-9 करोड़ रुपये में रिटेन किया।शुरुआती कुछ मैचों में उन्होंने अपनी पावर हिटिंग की झलक भी दिखाई, लेकिन निरंतरता का अभाव रहा। इसके बावजूद, आईपीएल 2024 के मिनी ऑक्शन में गुजरात टाइटन्स ने उन्हें 7.4 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया।गुजरात ने उन पर लगातार भरोसा बनाए रखा और 2025 तथा 2026 सीजन के लिए 4-4 करोड़ रुपये में रिटेन किया, जिससे उन पर कुल खर्च की गई राशि 38 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गई।

हर कोई बात कर रहा है कि यह आईपीएल अगली पीढ़ी का है, कोहली ने आलोचकों को शतक से जवाब दिया : गावस्कर

रायपुर।भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली की तारीफ करते हुए कहा कि इस चैम्पियन बल्लेबाज ने साबित कर दिया है कि पुरानी पीढी अभी भी सर्वश्रेष्ठ है।पिछले दो मैचों में शून्य पर आउट हुए कोहली के 60 गेंदों में नाबाद 105 रन की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने IPL के मैच में KKR को 6 विकेट से हराकर अंकतालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया। गावस्कर ने 'स्टार स्पोटर्स' पर कहा, 'विराट कोहली ने KKR के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया।लक्ष्य का पीछा करने में उसका कोई सानी नहीं है।हर कोई बात कर रहा है कि यह सत्र अगली पीढ़ी का है लेकिन कोहली ने दिखा दिया कि वह अभी भी है।उसने आलोचकों को शतक से जवाब दिया और आरेंज कैप की दौड़ में तीसरे नंबर पर पहुंच गया।उसने साबित कर दिया कि पुरानी पीढ़ी अभी भी सर्वश्रेष्ठ है।' उन्होंने कहा, 'टी20 शतकों के मामले में वह 10 शतक के साथ क्रिस गेल और बाबर आजम के बाद तीसरे नंबर पर है।उसने टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 14000 रन पूरे किए और IPL में नौ शतक लगा चुका है।रिकॉर्ड टूटने के लिए बनते हैं लेकिन कोहली अगर मैच दर मैच, सत्र दर सत्र ऐसे ही खेलता रहा तो किसी को भी वहां तक पहुंचने में लंबा समय लगेगा।' गावस्कर ने यह भी कहा कि चक्रवर्ती द्वारा कोहली का कैच टपकाना मैच का निर्णायक पल रहा। उन्होंने कहा, 'RCB के खिलाफ मैच से पहले केकेआर कैच लपकने के मामले में बेहतरीन थी लेकिन यह कैच छोड़ना काफी महंगा पड़ा।'

फीफा विश्व कप के मेगा हाफटाइम शो में नजर आयेंगी मैडोना, बीटीएस और शकीरा

-उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेगी नोरा फतेही

लॉस एंजेलिस (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के मेगा हाफटाइम शो में इस बार पॉप सिंगर मैडोना, पॉप स्टार शकीरा के अलावा दक्षिण कोरिया की बीटीएस भी कार्यक्रम पेश करेगी जबकि उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही कार्यक्रम पेश करेंगी। इस प्रकार ये विश्वकप दूनिया भर के फुटबॉल प्रेमियों के लिए एक यादगार अनुभव साबित होगा। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस विश्वकप में अमेरिकी सुपर बाउल की तरह ही एक मेगा हाफटाइम शो का आयोजन भी किया जाएगा।

फीफा ने हाल ही में एक टीजर वीडियो जारी कर इस मेगा इवेंट की घोषणा की है। इस वीडियो में मशहूर संगीतकार क्रिस मार्टिन और

लोकप्रिय कार्टून कैरेक्टर एल्मो के साथ मपेट शो के कई किरदार भी दिखे। जिन्होंने मैडोना, बीटीएस और शकीरा जैसे ग्लोबल आइकॉन के नामों की घोषणा की। इसके बाद से ही सोशल मीडिया में प्रशंसकों में उत्साह है।

इस हाफटाइम शो से होने वाली संपूर्ण कमाई फीफा ग्लोबल सिटिजन एजुकेशन फंड को दान की जाएगी। इस नेक पहल का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के जरूरतमंद बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और फुटबॉल की बेहतर सुविधाएं पहुंचाना है। इस फंड के माध्यम से लगभग 100 मिलियन डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि लाखों बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल बनाया जा सके।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को न्यू जर्सी में खेला जाएगा, जबकि टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून से होगा। बॉलीवुड अभिनेत्री और डांसर नोरा फतेही भी समारोह में कार्यक्रम पेश करेगी। नोरा कनाडा के टोरंटो में स्थित बीएमओ फील्ड में 12 जून को होने वाले इस भव्य समारोह में गायन और नृत्य दोनों प्रस्तुत करेंगी। उनके साथ कनाडा के दिग्गज कलाकार माइकल बुबले, अलानिस मोरिसेट और एलेसिया कारा सहित कई बड़े कलाकर भी मंच पर नजर आयेंगे।

नेशंस कप से पहले अभ्यास के लिए ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली ।भारतीय महिला हॉकी टीम 15 से 21 जून तक न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी वूमेंस नेशंस कप 2025-26 की तैयारियों के लिए इसी माह ऑस्ट्रेलिया जाएगी। हॉकी इंडिया के अनुसार भारतीय टीम 21 मई से 3 जून तक ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में अभ्यास मैच खेलेगी।वहीं टीम के कोच स्जोर्ड मारिजने के अनुसार अभ्यास मैचों से खिलाड़ियों को बड़े टूर्नामेंट से पहले हालातों के अनुसार ढ़लने में सहायता मिलेगी।वहीं हॉकी इंडिया के अनुसार भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे में वहां की राष्ट्रीय टीम से चार मुकाबले खेलेगी।ये मुकाबले पर्थ हॉकी स्टेडियम में 26, 27, 29 और 30 मई को आयोजित होंगे।इन मुकाबलों के जरिए भारतीय टीम अपनी कमजोरियों को दूर रते हुए तैयारियों को अंतिम रूप देगी।

इसके अलावा टीम न्यूजीलैंड भी अभ्यास के लिए जाएगी।यहां भी टीम अभ्यास मैच खेलेगी।भारतीय टीम ने इस साल की शुरुआत में अर्जेंटीना दौरे पर अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं।अर्जेंटीना दौरे से वापसी के बाद भारतीय महिला टीम ने बेंगलुरु स्थित साई शिविर में अभ्यास किया था।इस दौरान खिलाड़ियों की फिटनेस, पेनल्टी कॉर्नर और डिफेंस पर खास ध्यान दिया गया।वहीं ड्रैग-फ्लिकर्स को नीदरलैंड हॉकी के विशेषज्ञ टकेइ टकेमा 26 मई से 21 जून तक पर्थ और ऑकलैंड में प्रशिक्षण देंगे।कोच ने कहा, हमें खुशी है कि हॉकी इंडिया ने इस दौरे का आयोजन किया।इन मैचों से हमें अपनी कमजोरियां को दूर करने का अवसर मिलेगा।अर्जेंटीना दौरे में हमने टीम का स्तर देखा था और अब हम अपनी प्रगति को परख पाएंगे।

मेसी के अच्छे प्रदर्शन से इंटर मियामी ने सिनसिनाटी को 5-3 से हराया

सिनसिनाटी ।कप्तान लियोनेल मेसी के दो गोल की सहायता से इंटर मियामी सीएफ ने एफसी सिनसिनाटी को 5-3 से हरा दिया।इस रोमांचक जीत के साथ ही इंटर मियामी ने एमएलएस रेगुलर सीजन के शुरुआती नौ मुकाबलों में सबसे अधिक क 22 अंक हासिल करने के एफसी सिनसिनाटी (2024) के रिकॉर्ड की बराबरी की है। इस मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ।मियामी ने 24वें मिनट में मेसी के गोल से बढ़त हासिल की।यह इस सीजन में उनका 10वां गोल था।इसके बाद मेजबान एफसी सिनसिनाटी ने हाफ टाइम से ठीक पहले, 44वें मिनट में पैनाल्टी कार्नर पर केविन डेन्की के गोल से स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत से ही सिनसिनाटी का प्रदर्शन अच्छा रहा।पावेल बुचा ने 49वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी।इसके बाद इंटर मियामी पर दबाव बढ़ गया पर मेसी ने 55वें मिनट में, डी पॉल के सटीक पास को गोल में बदलकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।यह इस सत्र में उनका 11वां गोल था, सिनसिनाटी ने 64वें मिनट में एवांडर के गोल से एक बार फिर 3-2 से बढ़त बना ली। इंटर मियामी ने इसके बाद जबरदस्त हमले करते हुए बचे हुए समय में गोल दागकर स्कोर 3-3 से बराबरी पर ला दिया। मियामी की ओर से 84वें मिनट में जर्मन बर्टेराम ने गोल कर स्कोर 4-3 पर पहुंचा दिया।वहीं अंतिम क्षणों में सिनसिनाटी के गोलकीपर रोमन कैलेटानो की गलती से एक आत्मघाती गोल हो गया जिससे मियामी ने 5-3 से मुकाबला जीता लिया।

नीरज चोपड़ा का रोम डायमंड लीग में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली ।ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा अगले माह रोम में होने वाले डायमंड लीग भाला फेंक टूर्नामेंट में शायद ही खेल पायें।इसका कारण है कि नीरज अब तक अपनी पीठ की चोट से नहीं उबर पाये हैं।इसी कारण 4 जून को इटली में होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए शुरुआती सूची में नीरज का नाम शामिल नहीं है।नीरज अगर नहीं उतरते हैं तो ये प्रशंसकों के लिए निराशाजन होगा।नीरज पिछले साल विश्व चैंपियनशिप से ही फिटनेस से जुड़ी परेशानियों से जूझ रहे थे।इसी कारण अभी वह तुर्की में रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं।अभी उनका लक्ष्य पूरी तरह से फिटनपेस हासिल करना है। वहीं भारत के ही युवा खिलाड़ी सचिन यादव इस टूर्नामेंट से डायमंड लीग में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। सचिन ने पिछले कुछ समय में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।ऐसे में नीरज के नहीं खेलने पर वह भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगे। उन्होंने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन करते हुए 86.27 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया था और एक टूर्नामेंट में चौथा स्थान हासिल किया था। रोम में दुनिया के कुछ शीर्ष एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा से भी सचिन को लाभ होगा।रोम डायमंड लीग में चेक गणराज्य के याकूब वाडलेज और जर्मनी के जूलियन वेबर शामिल जैसे दिग्गज भी शामिल रहेंगे।इसके अलावा पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स भी अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म को फिर से हासिल करने का प्रयास करेंगे।श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिराज इस सीज़न की शुरुआत में 89.37 मीटर का प्रभावशाली थ्रो दर्ज करने के बाद में इस इवेंट में एक बड़े दावेदार के तौर पर उतरेंगे।ओलंपिक चैंपियन जर्मनी के थॉमस रोहलर, अमेरिकी एथलीट कर्टिस थॉम्पसन और पोलैंड के डेविड वेगनर भी यहां नजर आयेंगे।

वैभव सूर्यवंशी की भारतीय टीम में एंट्री, श्रीलंका ट्राई सीरीज में खेलते नजर आएंगे 15 वर्षीय बल्लेबाज

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की पुरुष चयन समिति ने गुरुवार को श्रीलंका में होने वाली आगामी एक दिवसीय ट्राई-सीरीज के लिए इंडिया टीम की घोषणा की। सीरीज जून में खेली जाएगी। भारतीय स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा टीम की कप्तानी करेंगे जबकि 15 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी, जिनका IPL 2026 सीजन शानदार रहा है, को भी टीम में शामिल किया गया है।

IPL टीम राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग को भारत की आगामी ट्राई-सीरीज के लिए उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। टीम में प्रतिभाशाली और होनहार घरेलू खिलाड़ियों का मिश्रण है, जिनमें प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, विपराज

निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज और अरशद खान शामिल हैं।

यह चयन भविष्य के अंतर्राष्ट्रीय असाइनमेंट के लिए युवा प्रतिभाओं को तराशने पर इंडिया ए के निरंतर फोकस को दर्शाता है, जिसमें कई IPL और घरेलू खिलाड़ियों को ट्राई-सीरीज के लिए टीम में जगह मिली है। इस ट्राई-सीरीज में मेजबान श्रीलंका ए, इंडिया ए और अफगानिस्तान ए टीमें हिस्सा लेंगी। सीमित ओवरों की ट्राई-सीरीज के बाद इंडिया ए, श्रीलंका ए के खिलाफ दो मल्टी-डे मैच भी खेलेगी; इन रेड-बॉल मैचों के लिए टीम की घोषणा बाद में की जाएगी। व्हाइट-बॉल सीरीज दांबुला में खेली जाएगी, जबकि मल्टी-डे मैच गाले में होंगे।

श्रीलंका में होने वाली ट्राई-सीरीज 9 जून से शुरू होगी जिसका पहला मैच इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच खेला जाएगा। दूसरा मैच 11 जून को होगा, जिसमें इंडिया ए का मुकाबला अफगानिस्तान ए से होगा। अफगानिस्तान ए का मुकाबला 13 जून को श्रीलंका ए से होगा। सीरीज का चौथा मैच 15 जून को निर्धारित है, जिसमें इंडिया ए एक बार फिर श्रीलंका ए का सामना करेगी, जिसके बाद 17 जून को इंडिया ए बनाम अफगानिस्तान ए मैच होगा। 19 जून को, टूर्नामेंट के छठे मैच में अफगानिस्तान ए का मुकाबला श्रीलंका ए से होगा। ग्रुप चरण का समापन रविवार, 21 जून 2026 को त्रिकोणीय श्रृंखला फाइनल के साथ होगा।

त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत ए टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उप-कप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान।